वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 143 | सोमवार 16 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

लोकसभा अध्यक्ष बिरला और राज्यपाल की मुलाकात

जयपुर. कासं। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की रविवार को राजभवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात हुई। राज्यपाल ने राजभवन में बिरला का शॉल ओढ़ाकर अभिनन्दन किया। मुलाकात के दौरान दोनों ने संसदीय परम्पराओ से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

10 दिवसीय डॉक्टर्स फुटबॉल चैंपियनशिप सीजन 2 की शुरूआत

जयपुर. कासं

जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज के आर डी ग्राउंड में 10 दिवसीय डॉक्टर्स फुटबॉल चैंपियनशिप सीजन 2 की शुरूआत हुई। चैम्पियनशिप का शुभारंभ सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने किया। मंत्री अविनाश गहलोत ने टीम कैप्टनस को स्पोर्ट्स बैंड पहनाकर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चिकित्सकों के इस खेल आयोजन के लिए आयोजको को बहुत साधुवाद। क्योंकि डॉक्टर्स के ऊपर बहुत वर्क प्रेशर रहता है। वह अपनी व्यस्त दिनचर्या में से खुद के और परिवार के लिए समय निकाल सके उस दिशा में यह अच्छा प्रयास है। मंत्री गहलोत ने अपने छात्र जीवन से जुड़े संस्मरण भी सुनाए। विधायक गोपाल शर्मा ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उत्साहवर्धन किया और कहा खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं खेलों के माध्यम से आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। इस दौरान मंत्री और विधायक ने फुटबॉल को किक मारकर गेम की शुरूआत की। ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. अंजनी कुमार शर्मा ने बताया कि चैंपियनशिप में राजस्थान, गुजरात, एमपी, उत्तरप्रदेश और दिल्ली के मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल की टीमें भाग ले रही हैं। जिसने सीनियर डॉक्टर्स, रेजिडेंट, यूजी और पीजी स्टूडेंटस भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में 10 लीग मैच 2 सेमीफाइनल और 25 सितम्बर को फाइनल मुकाबला होगा।

भारतीय युवा संसद आयोजित

राज्यपाल बागडे ने कहा, लोकतंत्र में संवाद महत्वपूर्ण युवा शक्ति से ही भारत बनेगा विश्व का सबसे विकसित राष्ट्र: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि लोकतंत्र में संवाद का सर्वाधिक महत्त्व हैं। इसी से निर्णय संभव होते हैं, सहमति बनती है और लोकतंत्र सुदृढ़ होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र विश्वभर में सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं है बल्कि यह संवाद से लोक कल्याणकारी निर्णय लेने वाला भी सबसे बड़ा राष्ट्र है। उन्होंने भारत को विश्व का सबसे बड़ा युवा देश बताते हुए कहा कि युवा शक्ति से ही भारत भविष्य का सबसे विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने युवाओं को ''विकसित भारत 2047'' के लिए जुटने का आह्वान करते हुए कहा कि भविष्य के विकास रथ के सारथी वही रहेंगे। बागडे रविवार को इंदिरागांधी इंस्टीट्यूट के सभागार में ''भारतीय युवा संसद'' के कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संवाद से सुस्वाद होता है और सुस्वाद से मैत्री होती है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग शक्ति और साहस का पुंज होता है। आजादी से पहले पूरे नब्बे साल तक युवाओं ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया। अनंत कांहेरी, खुदीराम बोस आदि युवा थे, तभी से अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष प्रारंभ कर दिया था। उन्होंने युवाओं की शक्ति, दूसरे विश्व युद्ध और ब्रिटिश संसद में लोकशाही चुनाव कानून पारित करने की चर्चा करते हुए कहा कि युवा भागीदारी ने देश की आजादी में महती भूमिका निभाई। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलते हुए राष्ट्र विकास के नए आयाम स्थापित किए जाने, अर्थव्यवथा को मजबूत करने और देश को ज्ञान की दृष्टि से विश्वभर में अग्रणी किए जाने पर जोर दिया। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विश्व लोकतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें प्राचीनकाल से ही बहुत मजबूत रही है। यहां परिवार, समाज में आज भी लोकतंत्र की जड़ें जीवंत है। उन्होंने कहा कि युवा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती प्रदान करें। सहिष्णुता में जो कमी आ रही है, उस पर ध्यान दें। देवनानी ने कहा कि युवाओं में संसदीय परंपराओं का प्रसार हो। चुनौतियों का मुकाबला करने की शक्ति आए। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं द्वारा मेज थपथपाने को देखकर कहा कि यह युवाओं के लोकसभा, विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रारंभ है उन्होंने अधिकारों के साथ साथ युवाओं को कर्तव्य के प्रति भी सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में नागरिक सहभागिता अधिक से अधिक बढ़े। इसमें युवा आगे आएं। जवाबदेही रखते हुए हम लोकतंत्र को और मजबूत करें। कर्नाटक के विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादिर ने लोकतंत्र को संवाद की संसद बताते हुए राष्ट्र में युवाओं की सहभागिता को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि युवा संसद का अर्थ है, युवाओं में संवाद बना हुआ है। उन्होंने राजस्थान मे इसे महत्वपूर्ण बताया। आरंभ में जयपुर ग्रेटर की मेयर डा. सौम्या गुर्जर ने स्वागत उद्बोधन दिया। ''भारतीय युवा संसद'' के आशुतोष जोशी ने युवा संसद के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इससे पहले राज्यपाल बागडे ने 'लोकतंत्र की विरासत' पुस्तक का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में 24 राज्यों से आए युवाओं ने भागीदारी की।

दसलक्षण महापर्व (पर्यूषण पर्व) नौवां दिन 16 सितंबर पर विशेष

मैं और मेरे पन का त्याग ही उत्तम आकिंचन्य धर्म

उत्तम आकिंचन्य धर्म : जीवन की सारी यात्रा एकाकी है

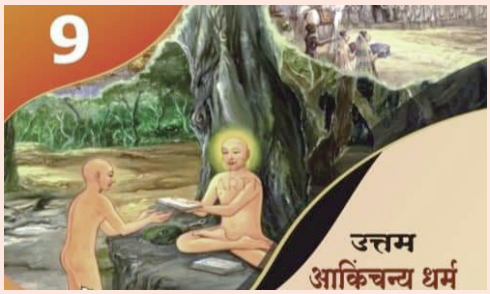

डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर

जीवन की यात्रा अकेले अकेले , चुपचाप चुपचाप नदी की तरह करनी होगी ।जैसे नदी बिना किसी की प्रतीक्षा किये , बिना किसी से बातचीत किये , समर्पित भाव - भाषा में एक लक्ष्य बनाकर चलती है , ठीक वैसे ही हमें जीवन की यात्रा करनी होगी । तब कहीं जाकर के विशाल धर्म के सागर से हमारी मुलाकात होगी और हम उसमें मिलकर / मिटकर स्वयं सागर बन जाओगे । सागर -सी इस अनन्त सत्ता को पाने के लिये बहुत कुछ विचार करने की जरूरत है । जीवन के अन्तरंग तत्त्व का स्पर्श करने की जरूरत है। आज का यह धर्म बताता है कि निर्विकल्प निर्द्वंद्व एकाकी आत्मा की अनुभूति में उतरना पड़ता है।

'मैं' और 'मेरे पन' का त्याग ही उत्तम आकिंचन्य धर्मः आकिंचन्य धर्म आत्मा की उस दशा का नाम है जहां पर बाहरी सब छूट जाता है किंतु आंतरिक संकल्प विकल्पों की परिणति को भी विश्राम मिल जाता है। बाहरी परित्याग के बाद भी मन में 'मैं' और 'मेरे पन' का भाव निरंतर चलता रहता है, जिससे आत्मा बोझिल होती है और मुक्ति की ऊर्ध्वगामी यात्रा नहीं कर पाती। जिस प्रकार पहाड़ की चोटी पर पहुंचने के लिए हमें भार रहित हल्का होना जरूरी होता है उसी प्रकार सिद्धालय की पवित्र ऊंचाइयां पाने के लिए हमें अकिंचन, एकदम खाली होना आवश्यक है। जहां पर भीड़ है, वहांपर आवाज, आकुलता और अशांतिहै किंतु एकाकी एकत्व के जीवन में न कोई आवाज है और न कोई आकुलता और न अशांति। आज का यह धर्म जीवन की यात्रा को एकाकी आगे बढ़ाने का धर्म है जिसमें अपने और पराए का भेद समझ कर निर्विकल्प निर्द्वंद्व एकाकी आत्मा की अनुभूति में उतरना पड़ता है।

निर्विकल्प निर्द्वंद्व एकाकी आत्मा की अनुभूति : जिन्दगी की अर्थी में कोई कंधा देने वाला नहीं मिलेगा ।इस शरीर से प्राण निकलने पर समाज के चार लोग आकर के फिर भी कंधा दे देंगे ।राम नाम सत्य है, अरिहंत नाम सत्य है, कहने वाले मिल जायेंगे लेकिन जिन्दगी की अर्थी में कंधा देने के लिये तो तुम्हें खुद ही तैयार होना पड़ेगा । यह आकिंचन्य धर्म हमें इसी गहराई में ले जाता है ।कोई नहीं किसी का साथ , सारी यात्रा एकाकी है। आज का यह धर्म जीवन की यात्रा को एकाकी आगे बढ़ाने का धर्म है जिसमें अपने और पराए का भेद समझ कर निर्विकल्प निर्द्वंद्व एकाकी आत्मा की अनुभूति में उतरना पड़ता है। सांझ घिरते-घिरते पक्षीगण एक तरुवर पर आकर विश्राम कर लेते हैं, किंतु सुबह होते ही अपने-अपने कार्य के लिए भिन्न-भिन्न दिशाओं में चले जाते हैं। ठीक इसी प्रकार संसार में हम सभी का निवास है। परिग्रह का परित्याग कर परिणामों को आत्मकेंद्रित करना ही अकिंचन धर्म की भावधारा है। जहां पर भीड़ है, वहांपर आवाज, आकुलता और अशांतिहै किंतु एकाकी एकत्व के जीवन में न कोई आवाज है और न कोई आकुलता और न अशांति।हम जहां पर जी रहे हैं वह कर्तव्य तो करना ही है किंतु यथार्थता का बोध हमें रहना चाहिए। जिस प्रकार पहाड़ की चोटी पर पहुंचने के लिए हमें भार रहित हल्का होना जरूरी होता है उसी प्रकार सिद्धालय की पवित्र ऊंचाइयां पाने के लिए हमें अकिंचन, एकदम खाली होना आवश्यक है। यह आत्मा,संकल्प, विकल्प रूप कर्तव्य भावों से संसार सागर में डूबती रहती है।

"आप अकेला अवतरे, मरे अकेला होय।
यूं कबहूं इस जीव का, साथी सगा न कोय।।"

बापू नगर में हुई लाइव म्यूजिकल धार्मिक हाऊजी का कार्यक्रम

श्रीमती समता गोदिका द्वारा दी गई भव्य प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया

पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चेत्याल्य बापूनगर में दशलक्षण पर्व के अवसर पर रात्रि में प्रतिदिन आयोजित किए जा रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम के क्रम में दिनांक 14 सितंबर शनिवार को बापू नगर दिगंबर जैन महिला मंडल द्वारा जैन धर्मिक हाऊजी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष सुरीला सेठी ने बताया कि इस कार्यक्रम को जैन जगत की प्रसिद्ध गायिका स्वरकोकिला श्रीमती समता गोदिका ने संचालित किया। श्रीमती समता ने अपनी मधुर आवाज जैसे ही बिखेरनी शुरू की वैसे ही सबके पैर थिरकने लग गए। सभी ने प्रभू की खूब भक्ति कर कार्यक्रम का खूब आनंद लिया। मंडल की सचिव श्रीमती रेणु लुहाड़िया ने बताया कि मंच संचालन श्रीमती कमलेश बाकलीवाल ने किया। जिनेन्द्र भगवान की वंदना श्रीमती राजकुमारी अजमेरा व श्रीमती शकुन बांकीवाला ने कर प्रोग्राम का शुभारंभ किया। मंडल की कोषाध्यक्ष श्रीमती रेणु लुहाड़िया घीवाले व ऋतु कासलीवाल के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डाक्टर पी सी जैन व श्रीमती रेखा जी जैन गौरव जी जैन ने सभी प्रतिभागियों को पारितोषिक वितरण किया। इस कार्यक्रम में मंडल की श्रीमती उषा शाह, बीना बूचरा, सुधा पाटनी अन्य सदस्यों के साथ उपस्थित रही। मंदिर समिति की ओर से संयोजक रवि सेठी ने महिला मंडल का स्वागत अभिनंदन कर महिला मंडल द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमो की जानकारी दी व इस दौरान मंदिर समिति द्वारा किए जा रहे अन्य कार्यक्रमो की जानकारी दी। प्रोग्राम का सभी ने खूब आनंद लिया कि समय का पता ही नहीं रहा समापन पर कार्यक्रम संयोजक सुभाष पाटनी ने सभी का आभार व्यक्त किया तथा सुव्यवथित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मंडल को धन्यवाद दिया।

आहार दान सबसे श्रेष्ठ,उत्तम त्याग धर्म का जैन धर्म में विशेष महत्व है

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। परम पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका गुरुमां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी राजस्थान की पावन धरा पर दसलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर दशलक्षण मंडल विधान का आयोजन हो रहा है। उत्तम त्याग धर्म के दिन विधान करवाने का सौभाग्य अनिल जैन जयपुर एवं भागचंद पाटनी जयपुर सपरिवार ने प्राप्त किया। इसी के साथ राजेश जैन गुड़गांव,अरविंद ककोड़,शैलेंद्र संघी निवाई वालों ने शांतिधारा करने का परम सौभाग्य प्राप्त किया। तत्पश्चात उत्तम त्याग धर्म की पूजन की गई। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की मंडल पर 15 अर्घ्य चढ़ाकर भक्ति भाव के साथ भक्तों ने विधान रचाया। पूज्य माताजी ने भक्तों को त्याग धर्म की शिक्षा देते हुए कहा कि श्रमण त्यागपूर्वक अपनी चर्या का पालन करते हैं एवं श्रावक दान देकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हैं। त्यागी व्रतियों के लिए दिया गया दान उत्तम फल को देता है। दान चार प्रकार का है- आहार,औषधि,अभय और शास्त्र। आज के दिन आहार दान का सर्वाधिक महत्व है। वस्तु के प्रति अपने स्वामित्व का त्याग करना ही दान कहलाता है। आज पूज्य गुरु मां की पारणा निर्विघ्न संपन्न हुई।

सूर्य नगर मंदिर में हुआ विनतियों का कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। दशलक्षण महापर्व के दस दिन के उपवास करते हुए त्याग तपस्या की ओर अग्रसर श्रीमती प्रमिला पाटनी धर्म पत्नी दिलीप पाटनी एवं भाग्यश्री जैन धर्म पत्नी युवा गायक नरेन्द्र जैन की दशलक्षण महापर्व के उपवासो की अनुमोदना में विनतियों का कार्यक्रम रखा गया। इस मौके पर प्रसिद्ध गायिका ममता शाह, समता गोदिका ने कई आध्यात्मिक भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन महिला मण्डल की सदस्याओं ने भी भजनों की प्रस्तुति देते हुए त्याग तपस्या की अनुमोदना की। इस मौके पर बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए।

त्याग धर्म का लक्षण और दान पुण्य की प्रकृति है : पं. शास्त्री

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़ ।निकटवर्ति श्री दिगंबर जैन लार मे दशलक्षण महापर्व के अवसर नित्य नियम समूहिक अभिषेक व शांतिधारा करने का महासौभाग्य दीपक जैन अनुराग जैन निरंजन जैन नरेन्द्र जैन एवं इसके पश्चात चंद्रप्रभु भगवान का महामस्तकाभिषेक करने का सौभाग्य संदीप जैन आकाश जैन

उत्सव जैन अरविंद्र सेठ को मिला। आज नदीश्वर दीप, दसलक्षण,पंचमेरु एवं उत्तम त्याग धर्म की विशेष पूजा विधान किया गया। विधान के बाद पंडित कमलकुमार शास्त्री द्वारा उत्तम त्याग धर्म पर प्रकाश डालते हुए कहा सच्चे मन से कषाय और मिथ्यात्व का त्याग करना उत्तम त्याग धर्म है। आत्म शुद्धि के उद्देश्य से क्रोध, मान, माया और लोभ आदि विकारी भावों को छोडऩा तथा स्व और पर के उपकार की दृष्टि से अपने उपभोग के धन-धान्य आदि पदार्थों का सुपात्र को दान करना भी त्याग धर्म है। दसलक्षण धर्म के आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म की महत्ता बताते हुए शास्त्री जी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि व्यवहार में आज हम सभी त्याग को दान समझने की भूल कर रहे हैं। त्याग धर्म का लक्षण है और दान पुण्य की प्रकृति है। आचार्यों द्वारा आहार, औषध, अभय और.ज्ञान को दान के प्रकार बताया है। आहार दान मुनि, आर्यिका, क्षुल्लक, क्षुल्लिका जी सहित उन सभी पात्रों के लिये उचित बताया है जो स्वयं भोजन नहीं बना सकते। मुनि आदि व्रती त्यागियों के रोगग्रस्त हो जाने पर निर्दोष औषधि देना, चिकित्सा की व्यवस्था एवं सेवा सुश्रुषा करना औषध दान होता है। इसी तरह अभय दान प्राणी को जीवन दान देने और ज्ञान दान शिक्षा या पठन पाठन में योगदान को कहा है। जो जीव अपनी प्रिय वस्तु से राग या ममत्व भाव छोड़कर उसे किसी अन्य की जरूरत या सेवा के लिए समर्पित कर देता है, उसे श्रेष्ठ दान कहा गया है।

जयपुर से पदमपुरा व श्री महावीर जी की पदयात्रा 24 सितंबर से

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर-पदमपुरा-श्री महावीर जी पदयात्रा संघ की 56वी पदयात्रा जयपुर से मंगलवार 24 सितंबर को रवाना होगी और रविवार 29 सितंबर को सुबह 5.00 बजे श्री महावीर जी पहुंचेगी। यह जानकारी देते हुए संस्था के बाबूलाल बाकलीवाल और सौरभ गोधा ने बताया कि पदयात्रा जयपुर से 24 सितम्बर को दोपहर 1.00 बजे चित्रकूट जैन मंदिर, सांगानेर से रवाना होकर बीलवा, श्योदासपुर होते हुए पदमपुरा पहुँचेगी एवं 25 सितम्बर को पदमपुरा से सुबह 5.30 बजे रवाना होकर सांभरिया, देवगांव, धनाऊ, तुंगा, लवाण में रात्रि विश्राम करेगी। 26 सितम्बर को सुबह लवाण से रवाना होकर डुंगरावता, तिवाड़ी जी की बदरखा, मलवास, नांगल राजावतान, छारेडा, पापडदा में रात्रि विश्राम करेंगी। 27 को पापड़दा से रवाना होकर खवाराव जी से पहाड़ी रास्ते होते हुए मोरा, गढ़मोरा, गढ़खेड़ा रात्रि विश्राम करेगी।28.09.2024 को सुबह गढ़खेड़ा से रवाना होकर सलावत, उजीर्णा, नादौती, खेड़ला खेडली, कैमला (बालकनाथ मन्दिर) (रात्रि विश्राम) पहुँचेगी।29 सितम्बर को सुबह 4 बजे रवाना होकर अपने लक्ष्य प्रातः 5 बजे श्री महावीर जी पहुँचेगी।

वेद ज्ञान

मन बच्चे की तरह होना चाहिए

भौतिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों से संपन्न होता है मनुष्य। वह इन शक्तियों को प्रयोग में ला सकता है। उनके उचित प्रयोग द्वारा वह वांछित परिणामों को पा सकता है। बाल्यावस्था में शरीर मन के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। मन अधिक सुगमतापूर्वक शरीर से अपने आदेशों का पालन करवा सकता है। बाद में जब बच्चे में विभिन्न आदतों का विकास हो जाता है, तो मन और शरीर पहले की भांति सामंजस्य के साथ कार्य नहीं करते हैं। एक बच्चे की तरह हमारा शरीर मन के नियंत्रण में होना चाहिए। शरीर केवल संवेदनाओं का एक पुंज है। संवेदनाओं को अपने से अलग करना आसान नहीं है, लेकिन हमें निरंतर इस चेतना में रहना चाहिए कि आत्मा के रूप में परमात्मा हमारे साथ हैं। जब मन, शरीर एवं उसकी मांगों के पूर्णतः अधीन होता है, जैसे कि अधिकतर लोगों के साथ होता है, तो मन को शरीर से अलग करने का अभ्यास करना चाहिए। आरंभ में धीरे-धीरे छोटी-छोटी वस्तुओं से मन को अलग करना उत्तम होता है। दिव्य चेतना में आपको यह अनुभव होता है कि आत्मा रूप में आपके कोई हाथ, पैर, आंखें अथवा कान नहीं हैं और न ही आपको इन शारीरिक अंगों की आवश्यकता है, फिर भी आप इन शारीरिक अंगों का उपयोग कर सकते हैं। केवल मानसिक शक्ति के द्वारा सुनना, देखना, सूंघना, चखना एवं स्पर्श करना संभव है। अनेक संत ईश्वर की वाणी अपने कानों से नहीं अपने मन से सुनते हैं। चेतना की ऐसी अवस्था काल्पनिक नहीं है, बल्कि एक वास्तविक अनुभव है। यह आपका अनुभव नहीं हो सकता, जब तक कि आप ध्यान न करें। यदि आप अत्यधिक भक्ति के साथ ध्यान करें, तो किसी दिन जब आपको इसकी तनिक-सी भी आशा नहीं होगी, आपको भी वही अनुभव होगा। ज्ञान एवं इच्छा तन एवं मन को नियंत्रित करती हैं। ज्ञान आत्मा का अंतज्ञार्नात्मक सत्य का प्रत्यक्ष ज्ञान है। युद्ध के समय लक्ष्य-दूरी मापक यंत्र को यह निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाता है कि गोला कहां दागना है। जब दूरी का पता चल जाता है, तो बंदूकें प्रभावशाली ढंग से चलाई जा सकती है। प्रज्ञा आपका दूरी मापक यंत्र है और इच्छा आपकी मारक शक्ति है, जो प्रज्ञा के आदेशानुसार आपके लक्ष्य को भेदती है।

संपादकीय

जांच एजेंसियों को फटकार...

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आखिरकार कथित आबकारी नीति घोटाले में जमानत मिल गई। इसी मामले में प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्तारी पर उन्हें पहले ही जमानत मिल गई थी। अब सीबीआइ की गिरफ्त से भी उन्हें मुक्ति मिल गई है। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें कुछ शर्तों के साथ जमानत दी है, पर इस मामले में सुनवाई करते हुए अदालत ने जो सवाल उठाए, वे जांच एजंसियों के कार्य व्यवहार पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत रेखांकित करते हैं।

कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तार किए गए अब लगभग सभी आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। मगर इस पूरे प्रकरण से यही जाहिर हुआ है कि इसमें भ्रष्टाचार निवारण की नीयत कम और राजनीतिक मंशा अधिक काम कर रही थी। सर्वोच्च न्यायालय बार-बार कह रहा था कि जमानत अधिकार है और जेल विशेष परिस्थितियों में ही भेजा जाना चाहिए। मगर निचली अदालत और उच्च न्यायालय लगातार केजरीवाल और दूसरे आरोपियों की जमानत याचिकाएं रद्द करती रहीं। प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआइ हर बार कुछ नया नुक्ता निकाल कर इस मामले को लटकाए रखने का प्रयास करती रही। आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय को यह तक कहना पड़ा कि अगर जांच एजंसियां इस तरह बेवजह जमानत के मामले को लंबा खींचती रहेंगी, तो मामले की सुनवाई शुरू ही नहीं हो सकेगी। आम आदमी पार्टी शुरू से आरोप लगाती रही है कि शराब घोटाला मनगढ़ंत मामला है, वह केवल केजरीवाल सरकार को अस्थिर करने और उसके कामकाज में बाधा डालने की नीयत से रचा गया है। मगर उपराज्यपाल और भाजपा इसे बड़ा भ्रष्टाचार बताते रहे। इसे लेकर लंबे समय से सियासी रस्साकशी चलती रही है। मगर इसकी असलियत तो तभी पता चल सकेगी, जब अदालत में इस पर सुनवाई पूरी होगी। अभी तक तो केवल जमानत के लिए संघर्ष चल रहा था। मनीष सिसोदिया करीब डेढ़ वर्ष जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल, संजय सिंह और के कविता करीब पांच-पांच महीने सलाखों के पीछे रहे। बार-बार यह सवाल उठता रहा कि उन्हें जमानत क्यों नहीं मिलनी चाहिए। मगर दलील यह दी जाती थी कि धनशोधन मामले में जमानत के खिलाफ कड़े प्रावधान हैं। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि धनशोधन कानून का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। किसी को किसी गवाह के कबूलनामे के आधार पर गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। खासकर अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को इसी आधार पर चुनौती दी गई थी कि उन्हें एक ऐसे आरोपी के कबूलनामे के आधार पर गिरफ्तार किया गया, जो सरकारी गवाह बन गया। हालांकि जमानत मिल जाने से किसी की बेगुनाही साबित नहीं हो जाती, पर कथित दिल्ली शराब घोटाला मामले में जिस ढंग से गिरफ्तारियां हुईं और फिर उन लोगों की जमानत को रोकने का प्रयास होता रहा, उससे धनशोधन निवारण कानून के दुरुपयोग का गंभीर मामला उठा। बार-बार सर्वोच्च न्यायालय ने जांच एजेंसियों को फटकार लगाई। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

शर्मनाक!

इससे ज्यादा त्रासद और शर्मनाक और क्या होगा कि जिस समय कोलकाता में प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार और हत्या की घटना पर समूचे देश में दुख और आक्रोश का भाव है, उस समय भी देश के अलग-अलग हिस्सों से महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। लगता है, न तो अपराधियों के भीतर कोई खौफ रह गया है और न सरकारों को इस बात की जरूरत लगती है कि महिला सुरक्षा को लेकर चौकसी बढ़ाई जाए। मध्यप्रदेश के उज्जैन में हाल ही में सरेआम सड़क किनारे बलात्कार की एक घटना ने राज्य में सरकारी तंत्र और वहां की खोखली सुरक्षा व्यवस्था की हकीकत जाहिर की थी। मगर सरकार को कानून-व्यवस्था दुरुस्त करने की जरूरत नहीं लगी। अब इंदौर जिले के महू में एक पर्यटन स्थल जामगेट पर मंगलवार देर रात सेना के दो प्रशिक्षु अफसरों और उनके साथ गई महिला मित्रों से लूट और एक महिला से कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार की खबर सामने आई है। यह घटना एक बार फिर यही दशार्ती है कि अपराधी तत्त्व राज्य में खुलेआम खूम रहे हैं और कानून-व्यवस्था एक तरह से निष्क्रिय है। हैरानी की बात यह है कि महू में लूटपाट और कथित बलात्कार की घटना जिस जगह हुई, वह सेना के 'फायरिंग रेंज' में है और उसे पर्यटन स्थल के तौर पर भी जाना जाता है। वहां सात-आठ अपराधियों के एक समूह ने सेना के दो प्रशिक्षु अफसरों और उनकी दो महिला मित्रों पर हमला कर दिया। हत्या की धमकी देते हुए उनसे दस लाख रुपए मांगे और एक महिला से कथित तौर पर बलात्कार किया। यों तो मध्य प्रदेश सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में खुद को बेहद संवेदनशील बताती रही है, अपराधियों के खिलाफ अधिकतम सख्ती बरतने और कड़ी सजा दिलाने का दावा करती है, मगर हकीकत यह है कि वहां महिलाएं

कहीं भी खुद को सुरक्षित नहीं पा रहीं। सवाल है कि जब सेना के प्रशिक्षु अफसरों के खिलाफ और 'फायरिंग रेंज' जैसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में भी अपराधी बेखौफ जघन्य वारदात को अंजाम दे सकते हैं, तो राज्य में आम लोग कितने सुरक्षित हैं!

डॉक्टर दीपिका विजयवर्गीय हुई सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

डॉक्टर दीपिका विजयवर्गीय प्रोफेसर एवम् निदेशक राजस्थान अध्ययन केन्द्र राजस्थान विश्व विद्यालय जयपुर को उनके द्वारा लिखी उत्कृष्ट पुस्तक चैतन्य महाप्रभु एवं गोडीय संप्रदाय को भाषा एवम पुस्तकालय विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा हिंदी सेवा पुरुस्कार 2024 के लिए चुना गया। राजस्थान सरकार में उपमुख्यमंत्री दियाकुमारी ने उन्हे पचास हजार रुपए पुरुस्कार स्वरूप एवम् प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कर्मों की सांप सीढ़ी में उलझा मनुष्य का जीवन चक्र

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मुनि सुव्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर महल योजना में धूप दशमी के अवसर पर आयोजित कर्मों की सांप सीढ़ी नामक सजीव झांकी से दर्शाया की पाप और पुण्य में किस प्रकार उलझ कर जीवन गुजरता है। समिति समन्वयक अभिषेक सांघी ने बताया की अपने कर्म का फल इस जन्म अथवा पूर्ण न होने पर जन्म-जन्म तक भी भोगना पड़ता है ' इसी चक्रव्यूह के भीतर मनुष्य गति, नरक गति, देव गति, त्रियंच गति में जीव भटकता रहता है, परंतु जिस दिन कर्मों की सांप सीढ़ी का खेल पूर्ण होता है अर्थात कर्म के क्षय होने पर जीव शिवधाम अर्थात मोक्ष को भी प्राप्त करता है। युवा मंडल द्वारा से आयोजित झांकी में अनिल निशा बड़जात्या, अशोक वीना जैन, विकास दीपा पांड्या ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। झांकी में अरुण, प्रभा, अक्षत, धीरेंद्र, नमन, सुमित, आयुष, मनोज, रूपेश आदि कार्यकर्ताओं का सहयोग प्राप्त हुआ। समिति से मुकेश संघी, अनूप, शिवकुमार ने पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

श्री घिनोई वाला जैन मंदिर में संगीतमय हाऊजी एवं भक्ति डांडिया किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जय लाल मुंशी का रास्ता चांदपोल बाजार स्थित श्री घिनोई वाला जैन मंदिर में दशलक्षण पर्व पर प्रतिदिन प्रातः सामूहिक कलाशाभिषेक शांतिधारा पूजन के कार्यक्रम हो रहे हैं। राजकुमार पाटनी ने बताया कि प्रतिदिन सांय होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में आज नवचेतना युवा मंडल के तत्वाधान मे संगीतमय हाऊजी एवं भक्ति डांडिया का भव्य आयोजन हुआ जिसमे समाज के सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

राजस्थान जैन सभा
सकल दिगम्बर जैन समाज का
सामूहिक क्षमापन
पर्व समारोह
रविवार 22 सितम्बर, 2024 | प्रात: 8.00 से 12.00 बजे तक
स्थान : महावीर स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर
जयपुर स्थित भाद्रपद मास में एक माह, 16 दिन एवं 10 दिन के उपवास-त्यागीवृत्ति-तपस्वियों के तप की अनुमोदना हेतु अभिनन्दन
जयपुर स्थित भाद्रपद मास में एक माह, 16 दिन एवं 10 दिन के उपवास-त्यागीवृत्ति-तपस्वियों के तप की अनुमोदना स्वरुप अभिनन्दन हेतु नाम नोट करवायें
यशकमल अजमेरा 98290-67076
सुभाष कुमार बज 94143-21318
अनिल छाबड़ा 98872-62673

कौन बनेगा धर्मशिरोमणि प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

प्रतियोगिता डॉ मनीषा जैन के द्वारा होस्ट की गई

लाडनूं. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में पर्युषण पर्व के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हो रहा है। जैन समाज के मंत्री विकास पांड्या ने जानकारी देते हुए कहां की पर्यूषण पर्व के सातवें दिन उत्तमतप धर्म की पूजा की गई। उन्होंने कहा कि प्राकृताचार्य सुनील सागर महाराज की शिष्या ब्रह्मचारिणी पूर्णिमा जैन ने उत्तमतप धर्म पर उपस्थित सभा को संबोधित किया साथ ही तत्त्वार्थसूत्र के सातवें अध्याय का अर्थ सहित वाचन किया। दसलक्षण पर्व के अवसर पर दो दिवसीय कौन बनेगा धर्मशिरोमणि (कौन बनेगा करोड़पति के समांतर) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्ष अशोक सेठी ने बताया कि यह कार्यक्रम डॉ मनीष जैन ने होस्ट किया तथा प्रथम दिन सुरेश कुमार, संतु कासलीवाल एवं द्वितीय दिन जैन दर्शनविद् डॉ सुरेंद्र जैन, अर्पित जैन द्वारा सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार राशि दी गई। इस अवसर पर डॉ मनीष जैन ने कौन बनेगा धर्मशिरोमणि प्रतियोगिता को होस्ट करते हुए जैन दर्शन से संबंधित विविध प्रश्नावली पूछी। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों के लिए 50-50, ऑडियंस कॉल, कॉल अ फ्रेंड हेल्पलाइन रखी गई। जिसे विद्युत उपकरणों के साथ कौन बनेगा करोड़पति के समानांतर हॉट सीट आदि आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि उक्त प्रतियोगिता में नगर के सभी वर्ग के श्रावक-श्राविकाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर निर्मला पाटनी ने कार्यक्रम संयोजक, आयोजकों, व्यवस्थापकों आदि के प्रति आभार प्रदर्शन किया।

इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वाराशिक्षक सम्मान समारोह, अठारह शिक्षकों को किया गया सम्मानित

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा जोहरी होटल, तलवंडी में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया। क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी और सेक्रेट्री डॉ विजेता गुप्ता ने बताया की

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट 305 की चेयरमैन स्वाति गुप्ता ने 18 टीचर्स को सम्मान पत्र एवं हरा भरा पौधा भेट किया। संयोजिका सुशीला मित्तल और रेनू लालपुरिया ने बताया कि क्लब द्वारा शिक्षक कविता नागपाल, दिशा नागपाल, सपना अरोड़ा, दिव्या अरोड़ा, बिंदु अग्रवाल, अंजना शर्मा, प्रीति शर्मा, रजनी अरोड़ा, सरोज कालिया, डॉक्टर वीनू बवेजा, मंजू साहनी, डॉक्टर मोनिका गर्ग, प्रमिला पारेख, मधु शर्मा, नीता सिंह गौड़, शशि सक्सेना इत्यादि अट्ठारह शिक्षकों को सम्मानित किया गया। मधु ललित बाहेती ने कार्यक्रम का रोचक एवं मधुर संचालन किया। इस अवसर पर क्लब की और से एक जरूरतमंद महिला को स्वरोजगार के लिए सिलाई मशीन भेंट की गई।

आई सी ए एड्यू स्किल्स उदयपुर द्वारा किया गया शिक्षकों का सम्मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शिक्षक दिवस समारोह के उपलक्ष्य में शहर की जानी मानी वाणिज्य शिक्षण संस्थान आई सी ए एड्यु स्कील्स द्वारा उदयपुर शहर के 22 अलग वाणिज्यिक विषय के शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो डॉ विजया लक्ष्मी चौहान (पूर्व छात्र कल्याण अधिष्ठाता), विशिष्ठ अतिथि डॉ चित्रा लड्ढा (9 रिडिएंस फर्नीचर) सम्मानित अतिथि आदित्य शर्मा ,दिग्नेश राठौड़ उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन गुंजन औदीच्य,अर्पित गोर,रोहित बंसल ने किया। कार्यक्रम का संपूर्ण निर्देशन एवम संचालन सेंटर डायरेक्टर मधु औदीच्य द्वारा गया किया गया। शेरे बानू,नवनीत सिंह बग्गा,शिखा बहल,अंजली बरारा,संजय श्रीमाल,हसमुख कोठरी, डॉ . राहुल खन्ना,अरुणिमा जैन,डॉ नितिन मेनारिया,श्वेता सांगनेरिया, सीए विशाल जैन,बिन्नी सिंह अरोरा,पुनीत सिंह पाहवा,डॉ समता ऑर्डिया,लव कुमार श्रीमाली, सीएस संजय सिंह राठौर,चेतन प्रकाश कुमावत, मनोज माली,सोनिया खत्री लुंज,लवीश जोशी,उमंग खत्री, चिराज त्रिवेदी सभी का सम्मान किया गया। साथ ही आई सी ए के एल्युमिनी छात्र रोहित बंसल, रेहाना बानो, मयंक खेतान भी उपस्थित रहे। पुष्पेंद्र जोशी,राहुल पटेल, हिमाक्षी सिसोदिया,कशिश बारेगामां ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

रघुनाथ जी मंदिर में जल झुलनी एकादशी पर भव्य आयोजन

कुदन, सीकर. शाबाश इंडिया। कुदन स्थित श्रीरधुनाथजी मंदिर में जल झूलनी एकादशी पर बहुत शानदार कार्यक्रम रखा गया। पंडित लच्छीराम ने बताया कि भगवान कृष्ण का अष्टमी के दिन जन्म हुआ था। उसके बाद ग्यारस को भगवान को गांव में कुएं पर ले जाया जाता है और कुआं पुजन कराया जाता है। श्रद्धालु रुक्मणी देवी ने बताया कि जलझूलनी एकादशी भगवान कृष्ण के जन्म के 18वें दिन डोल ग्यारस उत्सव के रूप में मनाया जाता है। कहा जाता है कि इसी दिन माता यशोदा ने नन्हे कान्हा को डोल में बैठा कर तालाब के घाट पर ले जाकर जल और घाट की पूजा-अर्चना की थी। कार्यक्रम में औरते व बच्चे नाचते गाते गांव में स्थित कुएं पर गए और पुजा अर्चना की।

संतुलित आहार-स्वस्थ जीवन का आधार

अशोक नगर। जिले के शहरी क्षेत्र की आंगनवाड़ी केंद्र और कन्या शाला के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के अंतर्गत आयोजित सही पोषण और संतुलित आहार विषय पर संगोष्ठी के साथ निबंध प्रतियोगिता और स्लोगन प्रतियोगिता की गई, जिसमें कन्या शाला की छात्राओं ने पोषण संबंधित स्लोगन और अपने लेख के साथ मनमोहक चर्चा से सभी अभीभूत किया प्रश्नोत्तर सत्र के अंतर्गत मुख्य अतिथि रूप में वार्ड की पार्षद निक्की रघुवंशी ने अपनी बात को रखते हुए समझाया कि इस तरीके के आयोजनों से बालिकाओं सहित बार्ड के नागरिकों को भी लाभ प्राप्त होता है,कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि संतुलित आहार समग्र स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। यह पोषण संबंधी कमियों को रोकने में मदद करता है, उचित वृद्धि और विकास का समर्थन करता है, प्रतिरक्षा को बढ़ाता है, पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करता है और शरीर के इष्टतम कार्य को बढ़ावा देता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में कन्या शाला की शिक्षिका गंगा रघुवंशी ने छात्रों की प्रदर्शनी को खूब सराहा और संबोधित करते हुए कहा की पोषण एक शारीरिक और जैव रासायनिक प्रक्रिया है जिसमें भोजन लेने से शरीर के विभिन्न कार्य पूरे होते हैं। यह जीवित जीवों के जीवित रहने के लिए एक आवश्यक प्रक्रिया है। यह प्रोटीन, विटामिन, काबोहाइड्रेट, वसा, पानी, फाइबर और खनिजों के रूप में शरीर को पोषण देता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यवेक्षक सीमा अहिरवार ने आहार के प्रकारों पर प्रकाश डाला और खाने की प्रक्रियाओं पर भी अपनी बात को संबोधित करते हुए समझाया कि संतुलित आहार से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। यह शरीर के समुचित विकास में मदद करता है।

इसके अलावा, यह काम करने की क्षमता भी बढ़ाता है

संतुलित आहार रोगों से लड़ने या प्रतिरोध करने की क्षमता बढ़ाता है। इस अवसर पर विभाग की ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अर्चना नामदेव द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया और साथ ही संचालन विभाग की पर्यवेक्षक तृप्ति शर्मा जी द्वारा किया गया इस अवसर पर पोषण आहार की प्रदर्शनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शित की गई और तमाम छात्रोंयों ने अपनी प्रस्तुति से सभी का मनमोहन लिया।

वार्षिकोत्सव एवं सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम हुआ आयोजित

अजीत कोठिया. शाबाश इंडिया

डूका। दिगंबर जैन समाज एवं जैन युवा समिति के बैनर तले डूका में 1955 से संचालित जैन पाठशाला के वार्षिकोत्सव एवं सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में 35 बच्चों ने भजन,एकल नृत्य, समूहगान और लघु एकांकी नाटिकाओं के मनोहारी कार्यक्रम प्रस्तुत किये। समाज प्रवक्ता राकेश शाह ने बताया कि रॉकी गांधी एवं वीरेंद्र शाह के संयोजन एवं अजीत कोठिया के निर्देशन में मंत्री रितेश जे.शाह व समाज अध्यक्ष मनोज शाह, युवा समिति अध्यक्ष अंकित शाह, कोषाध्यक्ष दिनेश शाह, रमणलाल शाह, सूरजमल शाह ने बच्चों में निःशुल्क धर्म संस्कारों का बीजारोपण करने वाले पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया,धनपाल शाह ,मनोज शाह का निशुल्क समर्पित सेवाओं के लिए अभिनंदन किया पाठशाला के बच्चो को समाज द्वारा पुरस्कृत किया।

धर्म को अपने जीवन में आत्मसात करने से कल्याण संभव : आचार्य शशांक सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर जयपुर में विराजमान परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में चल रहे दशलक्षण महापर्व महोत्सव के के अवसर पर आयोजित दसलक्षण विधान में उपस्थित जन समुदाय को मंगल आशीर्वाद देते हुए कहां की इस में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों से जीवन में सरलता और सार्थकता का निवास होता है मनुष्य चाहे तो मोह माया को त्याग कर अपने जीवन में धर्म की पताका फहरा सकता है लेकिन हमारा ध्यान इस और तब जाता है जब हमारे वश में कुछ नहीं रहता इसीलिए आज प्रत्येक व्यक्ति परेशान और चिंता ग्रस्त है धर्म हमें सिखाता है कि हम जीवन को किस प्रकार जिए मगर हम धर्म को समझना ही नहीं चाहते यदि आपने जैन धर्म को आत्मसात कर लिया तो आपका जीवन सफल हो जाएगा। अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया किश्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर द्वारा आयोजित 10 दिवसीय विधान में आज के सोधर्म इंद्र जिनेन्द्र विमला जैन वर्धमान मेडिकल वाले एवं परम पूज्य आचार्य गुरुवर शशांक सागर जी महाराज के सानिध्य में चल रहे 108 दिवसीय भगवान महावीर विधान एवं हवन में आज के सोधर्म इन्द्र अजीत अंजू जैन बी ओ बी वालों ने आहुति दी। प्रचार संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि आज धर्म सभा में भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं परम पूज्य आचार्य श्री के पाद पक्षालन व शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य श्री जिनेंद्र जी श्रीमती विमला जी जैन अजीत श्रीमती अंजू जैन को प्राप्त हुआ।

एम्बिशन किड्स एकेडमी में हिंदी दिवस को बहुत ही उत्साह और सम्मान के साथ मनाया

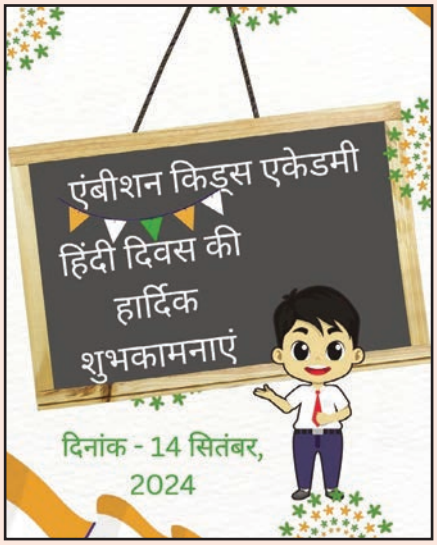

जयपुर. शाबाश इंडिया

हिंदी विषय की शिक्षिका श्रीमती रिया ने बच्चों को हिंदी दिवस का महत्त्व समझाया। उन्होंने बच्चों को बताया कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है और इसका हमारे देश की संस्कृति और पहचान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने हिंदी कविताएं सुनाईं, हिंदी में निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया और हिंदी भाषा से जुड़े खेल खेले। अध्यापिका रिया ने बच्चों को हिंदी भाषा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि यह केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी भावनाओं और विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम है, जो हमें एकता और अखंडता में बांधती है। उपाचार्य अनीता जैन ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम और गर्व की भावना को बढ़ावा देना था। प्राचार्या डॉ अलका जैन ने हिंदी दिवस का महत्त्व इस प्रकार बताया- हिंदी दिवस हर साल 14 सितंबर को मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे बढ़ावा देना है। यह दिन भारतीय संविधान में हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने की याद में मनाया जाता है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में अपनाया था।

हिंदी दिवस का महत्त्व इस प्रकार है: राष्ट्रभाषा की पहचानः हिंदी हमारी सांस्कृतिक और भाषाई पहचान है। यह दिवस हमें अपनी भाषा पर गर्व करने और उसे संरक्षित करने के लिए प्रेरित करता है। भाषाई एकताः हिंदी देश के विभिन्न हिस्सों में भाषा की विविधता के बावजूद एकता का प्रतीक है।

शैक्षिक प्रगतिः हिंदी दिवस के अवसर पर स्कूलों और कॉलेजों में भाषण, निबंध लेखन, कविता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, जो विद्यार्थियों को हिंदी में निपुण बनाने और इसका महत्त्व समझाने का अवसर देती हैं।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षणः यह दिवस हमें हमारी समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक धरोहर की याद दिलाता है, जिसे हिंदी भाषा ने संजोकर रखा है।

इस दिन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हम अपनी मातृभाषा का सम्मान करें और उसे आगे बढ़ाएं। अंत मे डॉ मनीष ने सभी बच्चों को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं दी।

दस उपवास व्रत धारण करने वालों की अनुमोदना की

अजीत कोठिया. शाबाश इंडिया

डडूका। दिगंबर जैन मंदिर डडूका में उत्तम तप धर्म के अवसर पर प्रातः पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा पर प्रथम अभिषेक शांतिधारा का लाभ सूर्यकांता भरत कुमार शाह परिवार एवं आदिनाथ भगवान पर अर्निका राजेंद्र कोठिया परिवार को मिला। समाज प्रवक्ता राकेश शाह ने बताया कि उदासीन आश्रम से पधारी दोनों दीदीयों के सानिध्य में सुगंध दशमी पर जिनालय एवं नसिया जी क्षेत्र पर धूप जलाकर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हुए।इस अवसर पर समाज अध्यक्ष मनोज शाह व युवा समिति अध्यक्ष अंकित शाह ने दस उपवास व्रत धारण करने वाले तनेश अजीत शाह एवं राहुल धनपाल सेठ का अभिनंदन किया।

राज्य स्तरीय एवं जिला स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम देने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। शहीद मेजर दिग्विजय सिंह सुमाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खातीपुरा में सत्र 2021-22 एवं 22 23 में राज्य स्तरीय एवं जिला स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम देने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि भवानी सिंह राठौड़ एवं विशिष्ट अतिथि शंकर सिंह राठौड़ के सानिध्य में टेबलेट वितरित किए गए। स्थानीय विद्यालय की छात्राए जाह्नवी जोशी, पूजा मौर्य एवं अजय कुमार सैनी को टैबलेट प्रदान किए गए।इस अवसर पर खातीपुरा व्यापार मंडल के अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़ ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। विशिष्ट अतिथि शंकर सिंह राठौड़ ने छात्रों को हिंदी दिवस के बारे में विस्तार से बताते हुए इसे अधिक अधिक दैनिक जीवन में हिंदी का प्रयोग करने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य जेपी राघव ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा विदाई समारोह का आयोजन

कोटा. शाबाश इंडिया। कोटा विश्वविद्यालय कोटा के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें तृतीय सेमेस्टर के छात्र छात्राएं, विभाग की समन्वयक आदरणीय डॉ पल्लवी शर्मा व अन्य आचार्य, विभाग में कार्यरत कर्मचारी आदि ने मिलकर चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन बड़े ही हर्ष व उल्लास के साथ किया। प्रोग्राम मे कई खेलों व गतिविधियों का आयोजन किया गया तथा अध्यापको द्वारा छात्र छात्राओ का उज्जवल भविष्य के लिए मार्गदर्शन किया गया तथा मानवता के लिए प्रेरणा दी की सबसे पहले समाज व देश के हित मे कार्य करे व एक अच्छा इंसान बने इस समारोह के दौरान विभाग के डॉ नेहा चौहान, डॉ श्वेता गुप्ता, डॉ जैनुल आबिदीन, डॉ ललित मीना व विभाग के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी विद्यार्थियों ने नम आंखों से अपनी शैक्षणिक सत्र की यादों को सांझा किया। अंत मे डॉ पल्लवी शर्मा ने छात्र छात्राओं को आशीर्वाद के साथ उज्जवल भविष्य की कामना की तथा प्रोग्राम का समापन किया।

।।श्री महावीराय नमः।।

(राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959(42) अन्तर्गत पंजीकृत सं. 59/जयपुर/2009)

श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर

चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर थाना, जयपुर

एक शाम महावीर के नाम (अखिल भारतीय कवि सम्मेलन)

सोमवार, दिनांक 16 सितम्बर, 2024 • सायं 07.30 बजे से

दीपप्रज्वलनकर्ता एवं मुख्य अतिथि

श्री बाबूलाल–स्वर्णलता बिलाला
पुलकित–शिवानी बिलाला (पीलिया वाले)

कार्यक्रम संयोजक : विमल सौगानी, विनय सौगानी
योगेश गंगवाल, सुगन सौगानी, मनोज गंगवाल, अनिल जैन

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

संयोजक :

श्री प्रदीप पंवार, टोंक
(संचालन एवं वीर रस)

कवयित्री साबिया असर
भोपाल (गीत–गजल)

श्री प्रहलाद चांडक
जयपुर (ओजस्वी गीतकार)

श्री गौरव दुबे, डीग
(गीतकार)

श्री जयदीप शर्मा, जयपुर
(हास्य व्यंग्यकार)

श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध समिति

महिला मण्डल चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर

राजेश सौगानी (अध्यक्ष) 9460987178 | सपना बैद (उपाध्यक्ष) 9784481911 | अमिता कासलीवाल (कोषाध्यक्ष) 8696174174 | डॉ. कल्पना बैद (सांस्कृतिक मंत्री) 7597540109 | बुलबुल पापड़ीवाल (मंत्री) 9829789455

श्री महावीर नवयुवक मण्डल, चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर

सुरेन्द्र सौगाणी (एडवोकेट) (अध्यक्ष) 9351555014 | अमित गोधा (उपाध्यक्ष) 9509821701 | सुगन सौगाणी (उपाध्यक्ष) 8557774436 | प्रदीप कुमार बैद (मण्डावरी वाले) (कोषाध्यक्ष) 8890281282 | विनय सौगाणी (संयुक्त मंत्री) 9887768600 | मनीष सौगाणी (गंगापुर) (सांस्कृतिक मंत्री) 9828866677 | मनीष पाटनी कासीपुरा (मंत्री) 9782572311

कार्यकारिणी : राजकुमार शाह, सुरेश बिलाला, विमल सौगाणी, महावीर सुरेन्द्र जैन, प्रकाश लुहाड़िया, राजकुमार सौगाणी, निलेश काला, संजय गंगवाल (तुंगा वाले), अनुराग पापड़ीवाल, पुलकित बिलाला, पवन सेठी, अरविन्द बिलाला, दिनेश जैन, सुरेश अजमेरा, योगेश गंगवाल, राजेन्द्र जैन (अग्रवाल), पारस जैन (सिंघल), सुशील सौगाणी, मनोज गंगवाल एवं समस्त सदस्य

निवेदनः सकल दिगम्बर जैन समाज, चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर थाना सर्किल, जयपुर

विनीतः सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर

दश लक्षण महापर्व महोत्सव के आठवें रोज उत्तम त्याग धर्म की हुई पूजा हुई

डिग्गी. शाबाश इंडिया

सच्चे मन से कषाय एवं मिथ्यात्व का त्याग करना, धन- धान्य आदि पदार्थों का सुपात्र को दान देना त्याग धर्म है :आचार्य इन्द्र नंदी जी महाराज

धर्मपरायण नगरी डिग्गी में शांतिनाथ जिनालय साधना केन्द्र में चातुर्मास कालीन वाचना में विराजमान आचार्य श्री इन्द्रनंदी जी महाराज, मुनि श्री उत्कृष्ट सागर जी महाराज स संघ के पावन सानिध्य में अग्रवाल समाज 84 के तत्वावधान में अग्रवाल सेवा सदन में चल रहे दशलक्षण महापर्व के आठवें रोज उत्तम त्याग धर्म की पूजा हुई ,कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया की शांति नाथ जिनालय में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद विभिन्न धार्मिक क्रियाएं हुई। कार्यक्रम में मिलाप चंद, शांतिलाल, कैलाश चंद्र, भागचंद, प्रमोद कुमार ,शिखर चंद गोयल परिवार पचेवर निवासी ने श्रीजी की महाशांति धारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया,इसी कड़ी में डिग्गी समाज की महिला मंडल ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया , कार्यक्रम में आचार्य इन्द्र नंदी जी महाराज ने त्याग धर्म पर प्रकाश डालते हुए अपने उदबोद्बन में श्रावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो जीव विषय वस्तुओं पर आत्माओं की आसक्ति त्याग कर शरीर और सांस्कारिक सुखों के प्रति उदासीन भाव रखता है वह त्याग गुण युक्त होता है। सच्चे मन से कषाय एवं मिथ्यात्व का त्याग करना, आत्म शुद्धि के लिए क्रोध ,मान ,माया, और लोभ आदि विकारी भावों को छोड़ना स्व ओर पर के उपकार की दृष्टि से अपने उपयोग के धन-धान्य आदि पदार्थों का सुपात्र को दान देना भी त्याग धर्म है। भौतिक वस्तुओं का संग्रहण करने से मनुष्य को सुख-शांति नहीं मिलती बल्कि इनके त्याग से मान सम्मान बढ़ता है तथा सुख शांति प्राप्त होती है।कार्यक्रम में पूज्यार्थियों द्वारा विनय पाठक,पंचपरमेष्ठी भगवान,मूलनायक शांति नाथ भगवान, देव, शास्त्र, गुरु की पूजन, नव देवता पूजन, सोलह कारण पूजन, दस लक्षण पूजा, सरस्वती पूजा तथा निर्वाण क्षेत्रों की पूजा, सहित अनेक पूजाएं कर सुख समृद्धि की कामना की,कार्यक्रम में मुनि सेवा समिति के मंत्री विमल कुमार जैन एवं फागी पंचायत के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा ने बताया कि कार्यक्रम में सौधर्म इंद्र गोविंद जैन -श्रीमती राज जैन जर्मन वालों ने सभी इन्द्रों के साथ विधान पर 11 अर्घ्यअर्पित कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की ओर बताया कि उक्त कार्यक्रम आचार्य इन्द्र नंदी जी महाराज स संघ के पावन सानिध्य में, मुनि सेवा समिति अग्रवाल समाज 84 के तत्वाधान में, सकल दिगम्बर जैन समाज डिग्गी के सहयोग से पंडित बृजेश शास्त्री के दिशा निर्देश में विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा किया जा रहा है।उक्त कार्यक्रम में अग्रवाल समाज 84 के अध्यक्ष अनिल सूराशाही,कोषाध्यक्ष महेंद्र कुमार जैन पराना, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, सत्यप्रकाश जैन चित्रकूंट सांगानेर, अग्रवाल सेवा सदन डिग्गी के संचालक गोविंद जैन एवं प्रकाश जैन डिग्गी, महावीर प्रसाद जैन,मिलाप चंद गोयल पचेवर, प्रेमचंद लोहिया लावा,ज्ञानचंद लोहिया डिग्गी, ओमप्रकाश जैन पचेवर, विमल कुमार जैन पचेवर, सीताराम जैन, प्रमोद गोयल लावा, हरिशंकर गर्ग,बिरधी चंद जैन मालपुरा, भागचंद जैन परवण मालपुरा, पदम जैन पीपलू वाले निवाई, तथा राजाबाबू गोधा फागी सहित सभी पदाधिकारी गण श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

ब्यावर: उत्तम त्याग धर्म की सकल जैन समाज ने की पूजा

अपनी इच्छाओं को वश में करना है उत्तम त्याग धर्म

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। ब्यावर में दिगंबर जैन समाज ने रविवार को दशलक्षण पर्व के आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म की पूजा अर्चना की। जैन मंदिरों में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दिगंबर जैन पंचायत नसियाँ में श्री मूल लायक भगवान महावीर स्वामी का स्वर्ण कलश से अभिषेक करने का सौभाग्य चंद्रप्रकाश अमित कविश अथव गोधा परिवार को प्राप्त हुआ है श्री श्री आदिनाथ भगवान के रजत कलशों से शांतिधारा करने का सौभाग्य श्रीपाल दीपक अजमेरा कांतिलाल पवन कोठारी सुनील विविध चौधरी चंद्रप्रकाश अमित गोधा घनश्यामदास कल्पेश जैन प्रकाश सुशील गदीया परिवार को प्राप्त हुआ। पंडित अभिषेक शास्त्री ने अपने प्रवचन में कहा कि उत्तम त्याग धर्म हमें यही सिखाता है कि मन को संतोषी बनाके ही इच्छाओं और भावनाओं का त्याग करना मुमकिन है। त्याग की भावना भीतरी आत्मा को शुद्ध बनाकर ही होती है। इस दौरान काफी संख्या में जैन श्रद्धालु मौजूद रहे। इस दौरान अभिषेक जैन शास्त्री ने बताया कि सारे परद्रव्यों के मोह को छोड़कर संसार देह और भोगो से विरक्त रहना ही उत्तम त्याग धर्म है। उन्होंने बताया कि त्याग करने से मनुष्य के भीतर सरलता, अहिंसा व मोह का जाल कम हो जाता है। जिससे प्राणी का जीवन स्वतः ही सुखमय बन जाता है। इसलिए दसलक्षण धर्म के अंतर्गत तप के बाद त्याग धर्म की महत्ता को बताया गया है शाम में सभी मंदिरों में संगीतमय भक्ति के साथ आरती की गई।

सच्चे मन से कषाय एवं मिथ्यात्व का त्याग करना त्याग धर्म का लक्षण है : आर्यिका सुप्रज्ञमति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा,चोरू,नारेड़ा, मंडावरी मेहंदवास निमेडा,लसाडिया तथा लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ जिनालय, मुनिसुव्रतनाथ भगवान मंदिर, पार्श्वनाथ चैत्यालय एवं चंद्र प्रभु नसियां, एवं चंद्रपुरी मंदिर में आज श्रावकों द्वारा उत्तम त्याग धर्म की पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के मंत्री कमलेश चोधरी एवं त्रिलोक पीपलू ने बताया कि चातुर्मास वाचना के दौरान पार्श्वनाथ चैत्यालय में विराजमान सुप्रज्ञमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज फागी के सहयोग से आज दशलक्षण महापर्व के आठवें रोज जिन सहस्त्रनाम विधान की पूजा अर्चना में सुख समृद्धि की कामना करते हुए उत्तम त्याग धर्म की पूजा अर्चना की गई । कार्यक्रम में इससे पूर्व प्रातः अभिषेक, महाशांति धारा बाद विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये,कार्यक्रम में रामेश्वर लाल, हेमराज, राजेंद्र कुमार, सुशील कुमार जैन कलवाडा परिवार फागी वालों ने सौ धर्म इंद्र बनने का सोभाग्य प्राप्त किया तथा श्री जी की महाशांति धारा करने का सोभाग्य भी प्राप्त कर सुख समृद्धि की कामना की । इसी कड़ी में जिन सहस्त्रनाम विधान में श्रावक श्राविकाओं द्वारा 101 अर्घ्य अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की गई, कार्यक्रम में आर्यिका सुप्रज्ञमति माताजी ने त्याग धर्म पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तम त्याग धर्म का मतलब है सच्चे मन से कषाय एवं मिथ्यात्व का त्याग करना, त्याग धर्म का लक्षण है ,और दान पुण्य की प्रकृत्ति है, आध्यात्मिक दृष्टि से राग, द्वेष, क्रोध आदि विकार भावों का आत्मा से छूट जाना ही त्याग है, त्याग और संयम से मोक्ष की प्राप्ति संभव है।

दस लक्षण धर्म विधान में डॉ.एम.एल जैन 'मणि', डां शान्ति जैन मणि सौधर्म इन्द्र बने

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिरजी चन्द्र प्रभ जी दुगार्पुरा में दस लक्षण धर्म विधान चल रहा है,उसमें उत्तम तप धर्म के दिन सौधर्म इन्द्र पुण्यार्जक डां.एम.एल जैन ₹ मणि ₹-डां शान्ति जैन मणि थे ।इस परिवार ने मूल मंदिरजी में कल बोली से प्रथम अभिषेक व शान्तिधारा की जिसमें डां मणि,डा मनीष व हार्दिक जैन पुण्यार्जक रहे ।उत्तम तप में विधान के मंच पर प्रथम अभिषेक व शान्तिधारा डां मणि,डां,मनीष व हार्दिक जैन ने सभी अन्य इन्द्रों के साथ की व डां शान्ति जैन मणि व डां अलका जैन ने चवर ढुलाये।विधान के अन्त में उत्तम तप धर्म की पूजा व मंडल पर अर्घ चढाये।विधान के बीच में मुनीश्री 108 पावन सागर जी व सुभद्र सागर जी महाराज का सानिध्य मिला। भगवान के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन का मणी परिवार को सौभाग्य मिला व महाराज को डां शान्ति जैन व डां अलका जैन ने शास्त्र भेंट किये। बाद में महाराज ने उत्तम तप धर्म पर अपना मार्मिक प्रवचन दिया।सांयकाल को मंदिरजी में भगवान की महाआरती का सौभाग्य भी बोली के माध्यम से मणि परिवार कौ मिला जिसमें मंदिरजी के सभी श्रावक- श्राविकाओं ने भाग लिया। इसमें महिला मंडल की अध्यक्षा रेखा लुहाडीया, मंत्री रानी सोगानी, रेणु पाण्डया त्रिशला संभाग की चन्दा सेठी,मंदिरजी ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाशजी चांदवाड व मंत्री राजेन्द्र काला व सभी कार्यकारिणी सदस्य व राष्ट्रीय फेडरेशन के उपाध्यक्ष यशकमल अजमेरा व तीर्थंकर ग्रुप के मंत्री सुरेश गंगवाल व कोषाध्यक्ष पारस जैन व अनेक गणमान्य सदस्य मौजूद थे।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ द्वारा मनाया गया 'इंजीनियर्स डे'

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर द्वारा 15 सितंबर, 2024 को केशव विहार, जयपुर में ''अभियंता दिवस (इंजीनियर्स डे)'' बड़े धुम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम में इंजी. पी सी छाबड़ा (सचिव जेस फाउंडेशन), इंजी. देवेन्द्र मोहन जैन (संयुक्त सचिव जेस फाउंडेशन), इंजी. डी के जैन (अध्यक्ष), इंजी अरूण जैन (उपाध्यक्ष), इंजी. (राकेश बगड़ा), इंजी. पी के जैन (सचिव), इंजी. बी पी जैन (संयुक्त सचिव), कार्यकारिणी सदस्य एवं अन्य सदस्यों की गरिमामय उपस्थिती रही ।इंजी. देवेन्द्र मोहन जैन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम का प्रारम्भ भगवान महावीर की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं तीन बार णमोकार मंत्र के उच्चारण के साथ किया गया ।तत्पश्चात सर मोक्षगुंडम विश्वेशरया जी के फोटो पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत आरम्भ किया गया । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इंजी. जैन ने सर्वप्रथम सभी इंजीनियर्स एवं उनके परिवारजन को राष्ट्रीय अभियंता दिवस पर हार्दिक बधाई दी । इंजी. जैन ने अपने उदबोधन में इंजीनियर्स डे मनाने के ओचित्य एवं आवश्यकता तथा सर मोक्षगुंडम विश्वेशरया की जीवनी पर विस्तार से जानकारी दी ।इंजी. जैन ने बताया कि इंजीनियर्स की राष्ट्रीय विकास में महति भूमिका एवं योगदान को समुचित सम्मान दिये जाने के क्रम में भारत सरकार ने वर्ष 1968 में भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेशरया जी के जन्म दिन 15 सितम्बर को ₹इंजीनियर्स डे₹ के रूप में मनाने का निर्णय

लिया एवं इसी क्रम में आज हम सभी 57वां इंजीनियर्स डे मना रहे हैं ।इंजी. जैन ने कहा की हम सभी इंजीनियर्स के लिए गर्व का विषय है कि जीवन की प्रत्येक गतिविधी को इंजीनियरिंग के माध्यम से सहज एवं सुगम बनाने में हमारा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में महत्वपूर्ण रोल रहा है । इंजी. जैन ने सर मोक्षगुंडम विश्वेशरया जी के जन्म 15 सितम्बर, 1861 से देहावसान 14 अप्रैल, 1962 तक की जीवनी; उनके द्वारा कराए गये महत्वपूर्ण एवं विशिष्ट इंजीनियरिंग कार्य; समय समय पर ब्रिटिश सरकार, भारत सरकार एवं मैसूर रियासत द्वारा उन्हे दिए गए सम्मान इत्यादि पर विस्तार से जानकारी दी । अन्त में सर विश्वेशरया के योगदान को स्मरण करते हुए इंजी. जैन ने अपने उदबोधन को विराम दिया। कार्यक्रम के अन्त मे चेप्टर के सचिव इंजी. पी के जैन ने कार्यक्रम में आंगन्तुक सभी इंजीनियर्स का एवं इंजी. अरुण जैन ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए इंजी. पी के जैन एवं श्रीमती कुसुम जैन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जनकपुरी मंदिर में संगिनी ग्रुप का विनतियों का आयोजन धूमधाम से संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी स्थित जैन मंदिर में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी द्वारा आयोजित विशेष विनतियों का आयोजन धूमधाम से संपन्न हुआ। यह आयोजन श्रीमती शीला जैन द्वारा 10 लक्षण धर्म के उपवास के लिए किए गए संकल्प और शकुंतला जी द्वारा 16 कारण के 32 व्रत की पूर्ति के उपलक्ष्य में किया गया था। संगिनी ग्रुप की समस्त सदस्यों ने मिलकर इस धार्मिक कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दी और भक्ति भाव से विनतियां प्रस्तुत कीं। इस पावन अवसर पर सचिव सुनीता गंगवाल कोषाध्यक्ष उर्मिला , मधु, अर्चना, , बीना, स्नेहलता, अनीता, पुष्पा, अलका, और अंजना सहित सभी सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह आयोजन भक्ति, श्रद्धा और सामूहिक एकता का अद्भुत उदाहरण था, जिसमें बड़ी संख्या में परिवारजन संगिनी सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे और धर्म लाभ प्राप्त किया।

भजन प्रतियोगिता संपन्न

27 प्रतियोगियों ने लिया भाग

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

मकरोनिया। जैन मिलन मकरोनिया क्षेत्र क्रमांक 10 के द्वारा भगवान महावीर स्वामी के 25 वे निर्वाण महोत्सव की श्रृंखला में दशलक्षण महापर्व के अवसर पर श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर नेहानगर में भव्य संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया सर्वप्रथम मंगलाचरण मुदिता एवं प्राची मोदी द्वारा नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया एवं भजन संध्या महावीर प्रार्थना के साथ प्रारंभ हुई जिसमें 27 प्रतिभागियों द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के ऊपर अपने मनमोहक एवं सुंदर भक्ति भजन के माध्यम से अपनी शानदार प्रस्तुतियां प्रस्तुत की तथा प्रस्तुति के आधार पर जैन मिलन द्वारा सभी प्रतिभागियों को आकर्षित पुरस्कार वितरण किए गए इस मौके पर वीर सुरेश जैन अध्यक्ष वीर रविंद्र जैन मंत्री वीर निशिकांत सिंघई प्रचार मंत्री वीर धर्मेंद्र जैन सांस्कृतिक मंत्री क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर अरुण चंदेरिया क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष अति वीर प्रमोद भायजी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य वीर डालचंद जैन वीर मनीष जैन विद्यार्थी मीडिया प्रभारी के साथ-साथ वीर राजीव भारिल्ल वीर प्रदीप जैन स्टूडियो वीर प्रवीण जैन मंत्री वीर निलेश जैन वीर संजय जैन वीर वीरेंद्र प्रधान मार्गदर्शक वीर कमल जैन वीर निलेश जैन वीर कौशल जैन वीर श्रेयांश जैन वीर राजेश सिंघई बैंक ऑफिसर वीर अनिल जैन वीर विनोद जैन एल आई सी विशेष रूप से उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन वीर धर्मेंद्र जैन द्वारा किया गया कार्यक्रम के अंत में वीर रविंद्र जैन एवं निशिकांत सिंघई वीर मनीष जैन विद्यार्थी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

भोगों के प्रति विरक्ति की भावना रखता है, उसके त्याग धर्म होता है : मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने दशलक्षण पर्व के अवसर पर उत्तम त्याग धर्म पर प्रवचन करते हुए बताया कि, जो समस्त द्रव्यों के प्रति मोह छोड़कर संसार शरीर और भोगों के प्रति विरक्ति की भावना रखता है, उसके त्याग धर्म होता है। ऐसा जिनेंद्र भगवान ने कहा है जैन धर्म की महानता यह है कि जो जीव इसको अपने अंदर उतारता है, उसका कल्याण नियम से होता है। जिस प्रकार धन्य कुमार के जीव ने पूर्व में पापी चोर होकर जिन मंदिर का निर्माल्य द्रव्य चोरी किया, सातवें नरक में गया, वहां के घोर दुःख भोगे। उसके बाद अकृत पुण्य हुआ और मात्र मुनिराज को अहार दान देने की भावना मात्र से महान पुण्यार्जन कर स्वर्ग गया, तत्पश्चात महाभाग्यशाली के रूप में धन्य कुमार हुआ और मुनी होकर तपश्चरण किया तथा समाधि पूर्वक प्रायोपगमन मरण कर सर्वार्थ सिद्धि में अहमिन्द्र हुआ तथा अगले भव में मोक्ष जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि दशलक्षण महापर्व में प्रातः 6.15 बजे प्रथमअभिषेक शांतिधारा लालचंद छाबड़ा के सुपुत्र हरिश जैन ने की। दशलक्षण मंडल विधान में उत्तम त्याग धर्म की पूजा मण्डल पर सुनील कुमार माया संगही ने श्रद्धालुओं के साथ बड़े भक्ति भाव से कर धर्म प्रभावना की। सांयकाल महाआरती करने का पुण्यार्जन महावीर कुमार श्रीमती अनिता बैद परिवार ने प्राप्त किया। गुरु भक्ति, विदूषी बहनें दृष्टि जैन व तनीषा जैन की उत्तम त्याग धर्म पर तत्व चर्चा हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में नाटक - 'बसंत तिलका' की सुंदर प्रस्तुति श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मंडल दुगार्पुरा द्वारा की गई।

दसलक्षण पर्व पर जैन मंदिरों में हुई उत्तम त्याग धर्म की पूजा

सीकर. शाबाश इंडिया

15 सितंबर को बजाज रोड स्थित श्री दिगंबर जैन नया मंदिर में जैन समाज के द्वारा पर्युषण पर्व के 8वें दिन उत्तम त्याग दिवस धूमधाम से मनाया गया। उत्तम त्याग धर्म हमे यह कहता है हमें भोगों से मोह छोड़ कर चार प्रकार का दान करना और परोपकार के लिए त्याग धर्म को स्वीकार करना ही उत्तम त्याग धर्म कहलाता हैं। दान धर्म से कर सके, पुण्य करे विस्तार, औषध शस्त्र आश्रय आहार दान के चार प्रकार, समरथ हो उतना करो देव चपलमन ज्ञान, उत्तम त्याग से कर सको उत्तम गति निदान उक्त जानकारी नया दिगंबर जैन मंदिर के अध्यक्ष गोपाल काला, मंत्री पवन छाबड़ा, कोषाध्यक्ष विनोद संगही द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम जिन प्रतिमाओं को मंगलाअष्टक पाठ पढ़ कर विराजमान किया गया। सभी उपस्थित धर्म प्रेमी बंधुओ द्वारा रजत कलशों से भगवान का अभिषेक किया। साथ ही आज की रिद्धि सिद्धि सुख शांति प्रदाता शांति धारा और प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य विनोद गजल पहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ।

रविवार को जैन धर्मावलंबियों ने उत्तम त्याग धर्म की भक्तिभाव से की पूजा

मंगलवार को अनंत चतुर्दशी और बुधवार को क्षमावाणी पर्व मनाएंगे, बुधवार को होगा दशलक्षण व्रतियों का पारणा

सीकर. शाबाश इंडिया

रविवार को दिगंबर जैन समाज के दशलक्षण पर्व के आठवें दिन शहर के समस्त जैन मंदिरों में उत्तम त्याग धर्म की पूजा अर्चना की गई । जैन मंदिरों में जैन समाज के लोगों ने बढ़ चढ़कर पूजा अर्चना में हिस्सा लिया।समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि आज उत्तम त्याग दिवस पर समुच्चय पूजन,सोलह कारण पूजन के साथ दसलक्षण पूजन कर मंत्रोचार के साथ अष्ट द्रव्य से निर्मित अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए । दीवान जी की नसियां में अपने प्रवचनों में ब्रह्मचारिणी सविता दीदी ने बताया कि उत्तम त्याग धर्म हमें यही सिखाता है कि उत्तम त्याग का अर्थ है भौतिक वस्तुओं और सांसारिक इच्छाओं का त्याग करना। यह गुण सिखाता है कि हमें अपने स्वार्थ और सांसारिक मोह को छोड़कर आत्मिक उत्थान की ओर ध्यान देना चाहिए। त्याग से व्यक्ति को आत्मबल और मानसिक शांति मिलती है।इस अवसर पर शहर के बजाज रोड़ स्थित दंग की नसियां जैन मंदिर में सांयकाल आरती थाल सजाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई । देवीपुरा जैन मंदिर कमेटी के संजय छाबड़ा दुधवा व पवन पहाड़िया ने बताया कि रविवार को रिद्धि सिद्धि सुख शांति प्रदाता शांति धारा करने का सौभाग्य व महाआरती का सौभाग्य विमल कुमार आलोक कुमार डॉ. विकास बिनायक्या परिवार को प्राप्त हुआ। बजाज रोड़ स्थित नया मंदिर में पंडित जयंत शास्त्री ने बताया कि मन को संतोषी बनाके ही इच्छाओं और भावनाओं का त्याग करना मुमकिन है। त्याग की भावना भीतरी आत्मा को शुद्ध बनाकर ही होती है।इस दौरान काफी संख्या में जैन श्रद्धालु मौजूद रहे। राज्य सरकार के आदेश के तहत अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शहर के समस्त बूचड़खाने एवं मांस बिक्री रहेगी बंद। दशलक्षण पर्व के पावन अवसर पर इस वर्ष राज्य सरकार द्वारा दसलक्षण पर्व के प्रथम दिन व अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी के अवसर पर समस्त राजस्थान में बूचड़खाने बंद रखने व मांस बिक्री बंद रखने का आदेश जारी किया था ।अनंत चतुर्दशी का पावन पर्व मंगलवार को मनाया जाएगा । आदेश की पालना करवाने हेतु जैन समाज का प्रतिनिधिमंडल नगर परिषद आयुक्त को प्रथम दिन भी ज्ञापन दे चुका है।

श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव 2024 की सफलता के लिए गणेश जी को निमंत्रण देखकर किया पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रवाल समाज समिति जयपुर के तत्वावधान में भगवान श्री अग्रसेन की 5148वीं जन्म जयंती के अवसर पर पांच दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश भाडेवाला ने बताया कि श्री अग्रसेन की 5148वीं जन्म जयंती के अवसर पर 3 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2024 तक आयोजित कार्यक्रम की सफलता के लिए मोती डूंगरी स्थित भगवान श्री गणेश जी को निमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर मंदिर महंत कैलाश चंद्र शर्मा ने अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश भाडेवाला, जयंती के मुख्य संयोजक सुभाष मेडवाले, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश ईंटोंवाला, पवन गोयल महामंत्री कमल नानू वाला, विनोद कुमार अग्रवाल, नारायण चावल वाला, सुमित अग्रवाल, विमल सर्राफ अरविंद भोमिया की मोजुदगी में पोस्टर का विमोचन किया गया।

यह रहेंगे मुख्य कार्यक्रम...

जयंती के मुख्य संयोजक सुभाष मेडवाले ने बताया कि

3 अक्टूबर गुरुवार को सुबह 9 बजे ध्वजारोहण एवं 9:30 बजे पूजा अर्चना के साथ आरती की जाएगी।

4 अक्टूबर शुक्रवार को सायंकाल 4 बजे श्री अग्रवाल सेवा सदन चांदपोल बाजार से रवाना होकर छोटी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट होते हुए आगरा रोड स्थित अग्रवाल कॉलेज प्रांगण पहुंचेगी।

5 अक्टूबर शनिवार को श्री अग्रसेन कटला में 1 बजे से 6 बजे तक महिला सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

6 अक्टूबर रविवार को श्री अग्रसेन कटला में सुबह 8:30 बजे से 1 तक मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया जाएगा।

7 अक्टूबर सोमवार को सांयकाल 6 बजे से स्टैचू सर्किल स्थित बिडला सभागार में समापन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ में हुई महाआरती

जयपुर. शाबाश इंडिया। वरुण पथ मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व पर प्रातः आचार्य शशांक सागर महाराज के निर्देशन में अभिषेक, शान्तिधारा के पश्चात् शान्ति विधान व आचार्य श्री के प्रवचन हुये। सायं 108 दीपकों से आरती की जिसके पुण्यार्जक भागचन्द- संतोष जैन , जिनेश- ऋतु जैन , चेस चैंपियन वाणी जैन 61/176 रजत पथ आसलपुर वाले रहे।

दिव्य ज्योति ब्लाइंड गर्ल स्कूल में राशन वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर द्वारा जगतपुरा स्थित दिव्य ज्योति ब्लाइंड स्कूल में बच्चियों के नियमत रसोई में काम आने वाली देशी घी, तेल ,चीनी , बिस्किटस, पोहे , दालें, आदि भेंट की। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन एडवोकेट अशोक गोयल ने कहा कि क्लब विभिन्न संस्थाओं में जानकारी कर उनकी आवश्यकता अनुसार वस्तुए भेट करता है ।सचिव बसंत जैन ने बताया कि क्लब अपने सेवा के उद्देश्यों को प्राथमिकता से पूरा करने में अग्रणी हैं । इस अवसर पूर्व अध्यक्ष एन एन माथुर , पी सी सांघी , डी डी गोयल आदि पदाधिकारी उपस्थित थे , गातव्य रहे यहां पर 45बच्ची रहती ह ' सचिव बसंत जैन ने बताया कि इससे पहले न्यू आतिश मार्केट स्थित पंख शाला स्कूल के छोटे छोटे बच्चो के लिए स्कूल बैग, स्टेशनरी, दरिया, भेट की थी। क्लब के द्वारा प्रति माह कही न कही चिकत्सा, शिक्षा, रोजगार, आदि सेवा के क्षेत्रो में दिन प्रति दिन नए आयाम स्थापित कर रहा है।

मुंबई के ऋतुराज भोसले ने पखावज पर चोताल ताल की प्रस्तुति दी

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज मुंबई के युवा पखावत वादक ऋतुराज भोसले ने अपने पखवाज वादन से दर्शकों का दिल जीता। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि मुंबई निवासी ऋतुराज भोसले ने पखावज पर चौताल लाल की प्रस्तुति से सभी को मंत्र मुक्त किया । 12 मात्रा की चोताल को चारताल भी कहा जाता है। ऋतुराज भोसले ने अपने पखावज वादन मे अपने गुरू के सबक को बेहद खूबसुरती से प्रस्तूत किया। ऋतुराज ने घरानेदार परणे , सुन्दर तिहाई, वे अनके लेयकारी और पखावज की अनेक दुर्लभ बंदीशो को बाखूबी प्रस्तुत किया। ऋतुराज के साथ राजस्थान के एकमात्र दिलरुबा वादक मोहम्मद उमर ने नगमा संगत को दर्शको ने खूब सराहा। कार्यक्रम का संचालन प्रिंस ऑफ वायलिन गुलजार हुसैन ने किया। कार्यक्रम में देवेंद्र सिंह की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी कैमरा लाइट्स मनोज स्वामी संगीत सागर गढ़वाल और वीरेंद्र सिंह राठौड़ मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू एवं जीवतेश शर्मा की रही ।

आठवां दिन जैन धर्मावलंबियों ने "उत्तम त्याग धर्म" के रूप में मनाया

झुमरीतिलैया,कोडरमा. शाबाश इंडिया

जैन धर्म का महापर्व दसलक्षण पर्व का आठवां दिन जैन धर्मावलंबियों ने 'उत्तम त्याग धर्म' के रूप में मनाया जिले में धर्म और ज्ञान की गंगा बहा रही परम विदुषी ब्रमचारिणी गुणमाला दीदी ने भक्तजनों को कहा कि झुमरीतिलैया नगरी धर्म नगरी है स्वस्थ जीवन जीने के लिए जैन धर्म का त्याग धर्म को अपनाना जरूरी है पूरा विश्व जैन दर्शन को अपनाकर स्वस्थ बन सकता है आज उत्तम त्याग धर्म का दिन दान और विसर्जन का दिन है ,व्यक्ति जीवन भर बाहरी पदार्थों धन वैभव को अर्जन करता है परंतु जब तक बुद्धि और विवेक पूर्वक उसका विसर्जन नहीं हो जीवन का कल्याण नहीं हो सकता, त्याग जरूरी है जैन दर्शन त्याग पर ही टिका हुआ है त्याग से ही हमारे देश की पहचान है जीवन को पूज्य बनाने वाला कोई धर्म है वह त्याग धर्म है त्याग के द्वारा ही व्यक्ति ऊंचाइयों को प्राप्त करता है जो जीवन में जितना त्याग करता है वह जीवन में उतनी अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करता है, जीवन में श्रेष्ठ व्यक्ति और महापुरुष बनने के लिए त्याग आवश्यक है, जो अधिक जमा किया है उसका विसर्जन जरूरी है नहीं तो जीवन में ग्रहण लग जाता है बुद्धि और विवेक पूर्वक विसर्जन से कष्ट नहीं होता है स्वस्थ जीवन को जीना है तो जैन दर्शन के त्याग धर्म को समझना जरूरी है जैन धर्म प्रकृति का धर्म है जहां त्याग ही त्याग है यहां देने की संस्कृति है जैन दर्शन में धनपति का सम्मान नहीं उसके त्याग का सम्मान होता है, दान करने वाले सम्माननीय होते हैं परंतु त्याग करने वाले पूजनीय होते हैं दान करने से कभी भी घटता नही प्रातः नया मंदिर में दीदी के मुखारविंद से विश्व शांति धारा का पाठ किया गया नया मंदिर में मुलायक 1008 महावीर भगवान का प्रतिमा का प्रथम अभिषेक व शांति धारा का सौभाग्य संदीप, संजय, आशीष,तुषार सेठी परिवार को मिला बड़ा मंदिर में मुलायक पारसनाथ भगवान का प्रथम अभिषेक व शांति धारा का सौभाग्य संजय-रितेश, प्रतीक गंगवाल , भगवान का श्री बिहार एवं प्रथम अभिषेक रजत धारी से शांति धारा का सौभाग्य शांति लाल ,विजय छाबडा के परिवार को ओर दूसरी तरफ से स्वर्ण झारी से सुमति देवी,अशोक,अनिल पाटोदी परिवार को मिला ,1008 आदिनाथ भगवान की बेदि मे अभिषेक और शांति धारा का सौभाग्य सुरेश,नरेंद झांझरी परिवार को मिला समाज के सह मंत्री राज छाबडा कोषाध्यक्ष सुरेन्द काला ,ललित सेठी,सुशील छाबडा,पार्षद पिंकी जैन मीडिया प्रभारी नवीन जैन राजकुमार अजमेरा ने व्रत धारी के उपवास की अनुमोदना की रात्रि में महिला समाज युवक समिति के द्वारा मंदिर में भव्य आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया दशहरा मेले के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। विद्याधर नगर स्टेडियम में दशहरा मेला का आयोजन 27 सितंबर से 20 अक्टूबर 2024 तक किया जाएगा। इस आयोजन के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया। इस मौके पर पंकज अग्रवाल, राकेश गोयल, रिद्धिकरण परशरामपुरिया, नरेंद्र चैधरी, मुकेश बिवाल, सुधीर अग्रवाल, शंकर खंडेलवाल कौशल मामा गोविंद अग्रवाल, संदीप अग्रवाल अमित चोटिया, प्रदीप अग्रवाल, सोनू मंगल, मुकेश शर्मा, पूरन शर्मा, सुनील प्रजापत, पवन सैनी, विवेक खेतान, पंकज खंडेलवाल,मनोज अग्रवाल, अभिषेक शर्मा, एसके गोस्वामी, एडवोकेट प्रमोद अग्रवाल, संदीप सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहें। समिति से राजू मीणा ने बताया कि कार्यक्रम में विशेष रूप से गरबा रास,वह डांडिया का आयोजन किया जाएगा, जिसका प्रतिक्षण शिविर केपीएस उड़ान विद्याधर नगर एवं मुरलीपुरा स्थित गोयल मैरिज गार्डन में किया जा रहा है मेले में विशेष रूप से फिल्म जगत की सेलिब्रिटी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे, साथ-साथ ही स्पेशल गेस्ट भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे शानदार फ्रूट कोट, एम्यूजमेंट जॉन, शॉपिंग स्टाइल्स, स्पेशल किड्स जोन, अंडरवाटर फिश टनल भी बनाया जाएगा कार्यक्रम का उद्घाटन विधिवत रूप से प्रथम नवरात्र को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के द्वारा किया जाएगा कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विदेशी झूले रहेंगे।

जनकपुरी में युवाओं को मिला शान्तिधारा करने का सौभाग्य

याग धर्म के दिन श्रावकों ने खुले मन से दिया औषध, अभय, ज्ञान व आहार दान। विद्यासागर यात्रा संघ ने किया 48 दीपक के साथ भक्तामर अनुष्ठान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी-ज्योतिनगर जैन मंदिर में रविवार को दशलक्षण महापर्व महोत्सव में त्याग धर्म की पूजन का आयोजन हुआ। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि प्रातः विधान मण्डल पाण्डुशीला पर शान्तिधारा करने का सोभाग्य विनय नवीन सेठी परिवार व जिनेंद्र ललित जैन परिवार को तथा वेदी पर आदित पारस बिलाला, सौरभ जैन को मिला। आज सभी परिवारों की और से युवाओं द्वारा शान्तिधारा की गई। त्याग धर्म के दिन श्रावकों ने खुले मन से दिया औषध,अभय, ज्ञान व आहार दान इसके बाद नित्य पूजन व त्याग धर्म विधान पूजन शिखर चन्द किरण जैन द्वारा साज बाज के साथ कराते हुए आहार औषध अभय व ज्ञान , चारों प्रकार के दान का महत्व समझाया । मुनि पुंगव सुधा सागर जी की प्रेरणा से स्थापित श्रमण संस्कृति संस्थान के बारे में बताया गया जहाँ के करीब सात सो विद्वान व विदुषियाँ पूरे भारत वर्ष में इन दश दिनों में धर्म प्रभावना कर रहे है । साथ ही जनकपुरी जैन पाठशाला की प्रगति के बारे में भी बताया गया । इन संस्थाओं के लिए ज्ञान दान के साथ अन्य तीनों प्रकार के दान की घोषणा उपस्थित श्रावकों द्वारा की गई । सभी ने पूजा के बाद त्याग धर्म के 108 जाप्य स्वाहा स्वाहा बोलते हुए किये गये। विद्यासागर यात्रा संघ ने किया 48 दीपक के साथ भक्तामर अनुष्ठान दिन में तत्वार्थ सूत्र तथा शाम को स्वाध्याय एवं रात्रि में श्री विद्यासागर यात्रा संघ द्वारा 48 दीपक से भक्तामर अनुष्ठान किया गया जिसका आयोजन युवा मंच ने किया ।कार्यक्रम रमेश राज चौधरी द्वारा चित्र अनावरण , विजय राकेश राजेंद्र ठोलिया द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद मण्डल पर प्रथम दीपक सुनील अलका साक्ष्य सेठी द्वारा अर्पित करने के साथ ही शुभारम्भ हुआ। युवा मंच के अध्यक्ष अमित शाह ने बताया कि दीप अर्चना में पूरे समाज व जयपुर के प्रबुद्ध श्रेष्ठियों ने भक्ति भाव के साथ भाग लिया।

जैन मंदिर कीर्तिनगर में दशलक्षण महापर्व का आठवां दिन

त्याग का अर्थ है छोड़नाः मुनिश्री श्री समत्व सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

टोंक रोड, कीर्ति नगर के जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व के तहत रविवार को उत्तम त्याग धर्म मनाया गया। सायंकाल को सांस्कृतिक कार्यकम के तहत ''गर्व से कहो हम जैन'' कार्यक्रम हुआ, जो सभी को पसंद आया। इस अवसर पर उत्तम त्याग धर्म पर बोलते हुए मुनिश्री श्री समत्व सागर जी महाराज ने कहा कि जीवन में सांसारिक सुख-सुविधाओं को भोगने की इच्छा न करना ही त्याग धर्म है। उत्तम धर्म की प्राप्ति के लिए अनावश्यक वस्तुओं का त्याग करना चाहिए। आवश्यकता से अधिक धन संग्रह न करना, जीवन के लिए आवश्यक वस्तुओं के अतिरिक्त अन्य का त्याग करना अच्छे कर्मों को करना ही त्याग धर्म है। ऐसे कर्म करने से उत्तम त्याग की प्राप्ति होती है। जिससे व्यक्ति का उत्तम चरित्र निर्माण होता है ।उन्होंने आगे कहा कि कषायों का त्याग करना भी उत्तम त्याग धर्म है। उन्होंने उगे कहा कि निज शुद्धात्मा के ग्रहणपूर्वक परद्रव्यों में ममत्व, एकत्व रूप, मोह, राग, द्वेष रूप विकारी भावों का छोड़ना ही वास्तविक उत्तम त्याग धर्म है। निश्चय और व्यवहार मोह-राग-द्वेष को निश्चय त्याग व औषधि, शास्त्र, अभय और आहार आदि सुपात्रों को देना वह व्यवहार त्याग या दान है। त्याग का अर्थ है छोड़ना। परिग्रह का त्याग करना त्याग है, बाहरी परिग्रह को छोड़ देना बहिरंग त्याग है तथा अतरंग परिग्रह (विकार, बुराईयाँ आदि) छोड़ देना आंतरिक त्याग है। ग्रहण करते समय भी छोड़ने का भाव रहना उत्तम त्याग धर्म है। सभी को कुछ न कुछ त्याग करना चाहिये। जबक मनुष्य पर द्रव्यों के प्रति होने वाले मोह, राग, द्वेष को छोड़ देता है। सांसारिक सुख एवं भौतिक सुविधाओं को भोगने की इच्छा न करना ही त्याग धर्म है। सभी को अपने सामर्थ्य अनुसार दान के भावों में प्रवृति करते हुये उत्तम त्याग धर्म को ग्रहण करें और मोक्ष मार्ग मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण काला, महामंत्री जगदीष जैन व प्रचार संयोजक आशीष बैद ने बताया कि सुबह श्रीजी की शांतिधारा के बाद साजो के बीच पूजा की गई। इस मौके पर दीप प्रज्जवलनकर्ता सुरेश छाबड़ा, शशि छाबड़ा,अकित व पीयूष छाबड़ा रहे।

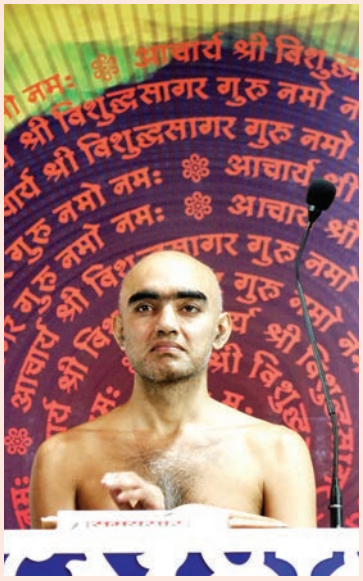

परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

परम पूज्य नवाचार्य श्री १०८ समयसागर जी महाराज

महिला संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज

के पावन सान्निध्य में
ऐतिहासिक सफलताओं के साथ

अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति एवं श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति

29 वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)

25-26 सितम्बर, 2024

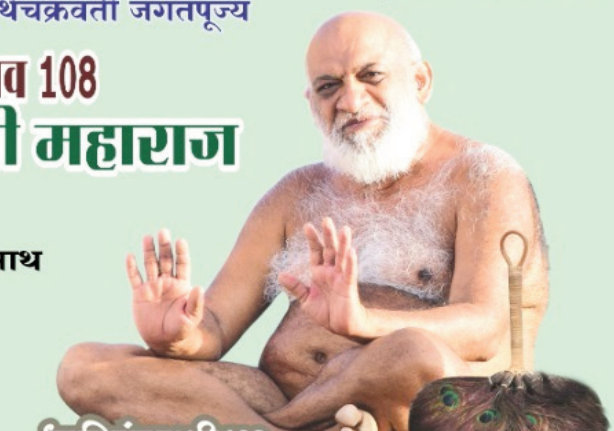

मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज

क्षुल्लक गौरव श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज | क्षुल्लक गौरव श्री 105 वरिष्ठ सागर जी महाराज | क्षुल्लक गौरव श्री 105 विवेक सागर जी महाराज

राष्ट्रीय महिला नेतृत्व श्रीमती शीला जैन डोड्या टीम का विशेष अनुरोध :

आप सभी सदस्याएँ अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर पर गुरू आशीष से सिंचित हों।

: परम शिरोमणि संरक्षक :
वृत्ति श्राविका श्रीमती सुशीला पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)

: संरक्षक :
श्रीमती शान्ता पाटनी श्रीमती तारिका पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)

राष्ट्रीय अध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	युवा प्रकोष्ठ मंत्री	महिला प्रकोष्ठ मंत्री
शीला जैन डोड्या जयपुर	श्रीमती इन्दू गाँधी अशोक नगर	डॉ. वन्दना जैन जयपुर	डॉ. ममता जैन पुणे	मधु शाह कोटा

संयोजक श्रीमती शालिनी बाकलीवाल • श्रीमती संगीता सौगानी • श्रीमती डिम्पल गदिया
श्रीमती ममता गंगवाल • श्रीमती रेखा 'अहिंसा' • श्रीमती मधु पाटनी

सह-संयोजक : श्रीमती रानू कर्रापुर, श्रीमती प्रीति पाली, श्रीमती साक्षी सराफ, श्रीमती सोभना जैन, श्रीमती मीना चश्मा, श्रीमती सुषमा चौधरी, श्रीमती कान्ता जैन, श्रीमती प्रीति जैन, श्रीमती सुनीता नायक, श्रीमती सपना जैन, श्रीमती ज्योति बम्हौरी, श्रीमती रीता मोदी, श्रीमती कल्पना जैन

वात्सल्य सत्कार : बाहर से पधारने वाले महानुभावों हेतु आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था है।

विद्या सुधामृत सामाजिक कल्याणक समिति, सागर (म.प्र.)

सुरेन्द्र जैन (सट्टू)	राजकुमार जैन मिट्ठी	राजेश जैन एडीना	राजेन्द्र जैन केसली	ऋषभ जैन बादरी	सुरेन्द्र जैन डबडेरा	आशीष जैन पटना
अध्यक्ष 93029-12981	महामंत्री 94605-67981	अध्यक्ष 93029-12981	गौरव अध्यक्ष 94251-71451	मुख्य संयोजक 93029-10021	कोषाध्यक्ष 98262-93384	स्वागत अध्यक्ष 94251-72301

ज्ञानतीर्थ टोडरमल स्मारक भवन में दशलक्षण महापर्व का आठवां दिन

सच्चे मन से कषाय और मिथ्यात्व का त्याग करना उत्तम त्याग धर्म: सुमतप्रकाश जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट जयपुर के बैनर तले बापू नगर स्थित ज्ञानतीर्थ पंडित टोडरमल स्मारक भवन में दस महापर्व के तहत रविवार को उत्तम त्याग धर्म की आराधना की गई। इस मौके पर पूजा-अर्चना के विशेष आयोजन हुए। महामंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल ने बताया कि सुबह श्रीजी के अभिषेक के बाद पर साजों के बीच दसलक्षण विधान हुआ। इस दौरान छोटा-सा मंदिर बनाएगे...जैसे भजनों की स्वर लहरियों से वातावरण भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। इस अवसर पर श्रावक-श्राविकाओं को संबोधित करते हुए विश्व सविख्यात बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाश जैन, खनियाधाना ने उत्तम त्योग धर्म के बारे में समझाते हुए कहा कि सच्चे मन से कषाय और मिथ्यात्व का त्याग करना उत्तम त्याग धर्म है। आत्म शुद्धि के उद्देश्य से क्रोध, मान, माया और लोभ आदि विकारी भावों को छोडना तथा स्व और पर के उपकार की दृष्टि से अपने उपभोग के धन-धान्य आदि पदार्थों का सुपात्र को दान करना भी त्याग धर्म है। व्यवहार में आज हम सभी त्याग को दान समझने की भूल कर रहे हैं। त्याग धर्म का लक्षण है और दान पुण्य की प्रकृति है। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में सांसारिक सुख-सुविधाओं को भोगने की इच्छा न करना ही त्याग धर्म है। उत्तम धर्म की प्राप्ति के लिए अनावश्यक वस्तुओं का त्याग करना चाहिए। आवश्यकता से अधिक धन संग्रह न करना, जीवन के लिए आवश्यक वस्तुओं के अतिरिक्त अन्य का त्याग करना अच्छे कर्मों को करना ही त्याग धर्म है। ऐसे कर्म करने से उत्तम त्याग की प्राप्ति होती है।

विजय लालजी पांड्या की नसियां में दश लक्षण धर्म पर एक ही परिवार के तीन व्रतियों द्वारा दस दिन के उपवास

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के बाहरी जनपद के उत्तरी भाग में स्थित विजय लाल जी पांड्या की नसियां में दश लक्षण धर्म पर्व बड़ी ही श्रृद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया जा रहा है । यह नसियां जयपुर की स्थापना से पूर्व से ही स्थापित है । इस नसियां के आस पास सीमित परिवार होने के उपरांत भी धर्म संवर्धन की चयाएँ की जा रही है। इसी नसियां से जुड़े हुए एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने दशलक्षण धर्म के दस उपवास - तप के माध्यम से कर्मों की निर्जरा कर पुण्यार्जन कर रहे है । श्रीमती अनिता जैन धर्मपत्नी सियाराम शरण जैन, ये वार्ड संख्या 21 की पार्षद भी है, श्रीमती हिना जैन धर्मपत्नी वीर कुमार जैन, सुश्री मानसी जैन सुपुत्री श्री सियाराम शरण जैन। आज प्रातः सामूहिक दशलक्षण धर्म मंडल विधान पूजा के पश्चात व्रतियों के तप की अनुमोदना में विनतियों, जिसमे भगवान की भक्ति की जाती है, का कार्यक्रम भी रखा गया । इस अवसर पर जैन बैंकर्स फोरम जयपुर के भागचंद जैन मित्रपुरा, कमल चंद जैन सेवा वाले एवं सुरेश बज की सहभागिता भी रही । शिखर चंद कासलीवाल साईवाड वाले, राज कुमार बिलाला, नवीन बिलाला, सुधीर बिलाला, बसंत जैन, मनोज कासलीवाल आदि द्वारा पूजा, मंडल विधान, देखरेख आदि की समुचित व्यवस्था की जा रही है। इस प्राचीन नसियां के दर्शन कर पुण्यार्जन के भागी बने।

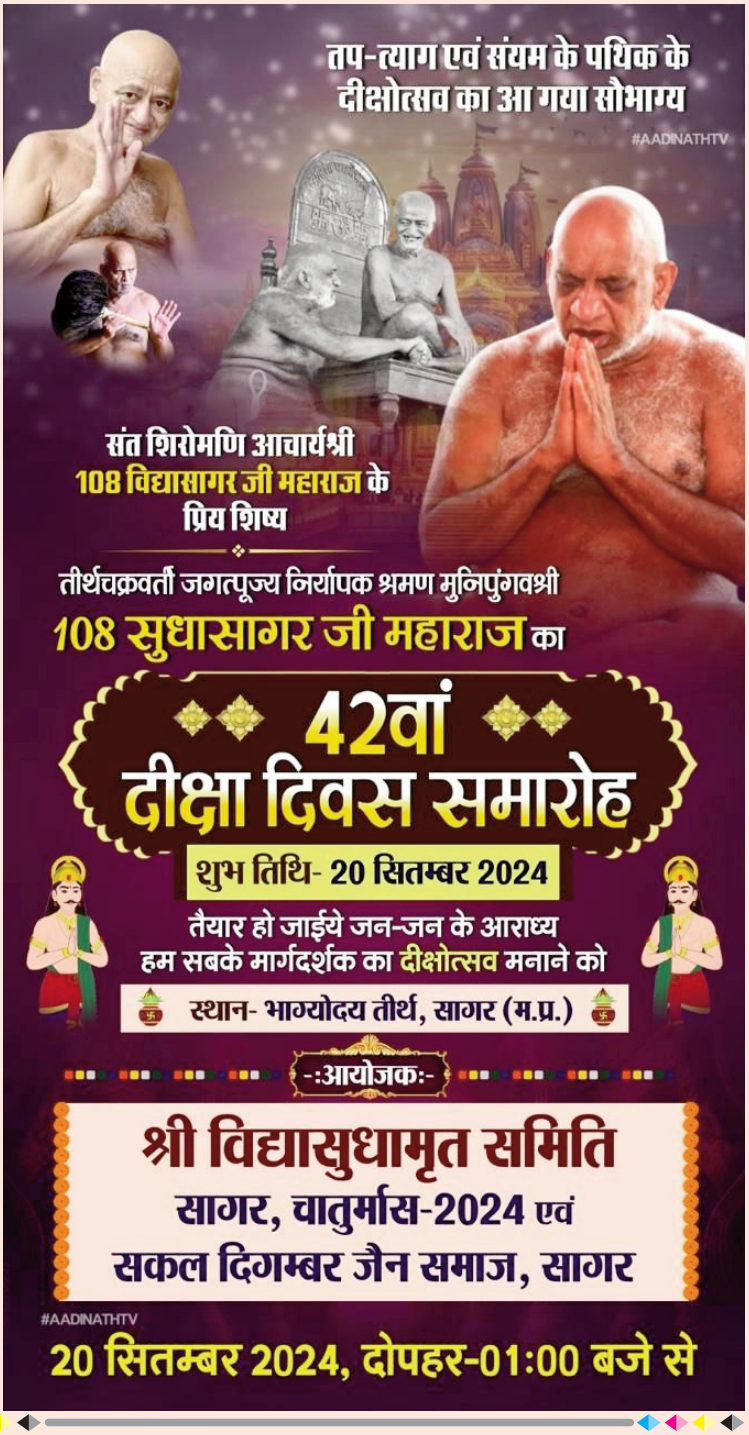

नवीन कुमार भांडिया ने 51 दिन के उपवास की तपस्या की

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर निवासी नवीन कुमार भंडिया ने 51दिन के उपवास की तपस्या की और उनके पुत्र अमित भंडिया ने 11दिन के उपवास की तपस्या करके पारना साथ ही किया। विदित हो कि नवीन जी 13 बार माश खमन कर चुके हैं तथा पिछले वर्ष भी उन्होंने 42 उपवास किये थे। जैन समाज नवीन कुमार भांडिया की तपस्या से गौरवान्वित है।

श्याम बाबा की शोभायात्रा निकली

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। भाद्रपद माह शुक्ल पक्ष की द्वादशी रविवार को खाटूवाले श्याम बाबा की शोभायात्रा निकाली गई। श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में श्याम बाबा की शोभायात्रा ढोल-ढमाको व गाजे-बाजे के साथ सुभाषगंज मंडी से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई गांधी चौक स्थित श्याम बाबा मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। जहां श्याम बाबा की आरती की गई। शोभायात्रा के दौरान जगह-जगह पुष्प वृष्टि की गई।

जलझूलनी एकादशी पर रेवाड़ियां निकली

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। जलझूलनी एकादशी शनिवार को नगर में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर नगर के विभिन्न मंदिरों से सायं ठाकुरजी की रेवाड़ियां हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैयालाल की... के जयकारों के साथ निकाली गई। रेवाड़ियां मंदिरों से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई नवलराम जी की बगीची तक गई। जहां ठाकुरजी को जल विहार कराया गया। परम्परानुसार श्रद्धालुओं ने ठाकुरजी की पालकी पर नारियल और प्रसाद चढ़ाया। मान्यतानुसार छोटे बच्चों-शिशुओं को रेवाड़ी के नीचे से निकालकर श्रीफल चढ़ाकर घर-परिवार में खुशहाली की कामना की गई। रात्रि में रेवाड़ियां पुनः प्रारंभ हुई जहां मार्ग में युवक पठनालय के पास भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें भजन गायकों ने भजन पेश किये। देर रात्रि रेवाड़ियां अपने-अपने मंदिरों में पहुंची।

दान चार परकार, चार संघ को दीजिए, धन बिजुली उन्हार, नर भाव लाहो लीजिए : प्राचार्य सतीश

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व के आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म विधान की पूजन की गई। इस अवसर पर प्राचार्य सतीश जैन ने त्याग धर्म पर प्रकाश डालते हुए बताया कि त्याग का अर्थ है कि इंसान को अपने पास कुछ नहीं रखना संपूर्ण समर्पित कर देना है। त्याग और दान अलग-अलग होते हैं। प्रत्येक श्रावक को दो काम करना आवश्यक है, एक तो प्रतिदिन दान करना चाहिए और दूसरा प्रतिदिन भगवान की अष्ट द्रव्य से पूजन करनी चाहिए। मुनिराज, आर्यिका, वृत्तिजन और साधर्मी जन को दान जरूर देना चाहिए और उनका सहयोग करना चाहिए। दान चार प्रकार के होते हैं, उनमें ज्ञान दान सबसे बड़ा होता है। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि आज के पूजन स्थापना पुण्यार्जक वीरेंद्र गोधा एवं परिवार रहे। आज उत्तम त्याग के दिन समाज के सभी बंधुओ द्वारा श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृती संस्थान सांगानेर को बढ़ चढ़कर दान दिया गया।

सायंकालीन आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम के पुण्यार्जक संजीव पिंकी कासलीवाल एवं परिवार रहे। समारोह के मुख्य अतिथि श्री महावीर जी कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु ऋतु कासलीवाल एवं विशिष्ट अतिथि वर्ड मोटिवेटर सौरभ जैन रहे। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया। साथ ही रंगशाला नाटक अकादमी इंदौर द्वारा भक्ति और वैराग्य का मंचन किया गया जिसका निर्देशन साधना मादावत जैन एंड पार्टी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के सभी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों द्वारा बढ़-चढ़कर भाग लिया गया।

!! श्री नेमीनाथाय नमः!!

श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति
नेमी सागर कॉलोनी, जयपुर
पर्यूषण महापर्व-2024
16 सितम्बर 2024
उत्तम आंकिचन - त्रयोदशी
कार्यक्रम विवरण - समय रात्रि 8 बजे, वर्धमान
नाटक- यम, नियम, संयम
निर्देशन - साधना जैन माधावत
प्रस्तुति - रंगशाला नाट्य अकादमी, इन्दौर

पूजन स्थापना

श्री जे के जैन, डा.करेश-अलीशा, विहान, अहान, पुनीत- निधि, युवान, आयरा एवं कालाडेरा परिवार

आरती पुण्यार्जक, दीप प्रज्जवलनकर्ता एवं कार्यक्रम पुण्यार्जक

श्री महावीर कुमार, शान्ति देवी, डा. लवलीश, डा. नीतू, डा. अकलीश, डा. अंशु, आर्यन, अथर्व, अन्मय एवं परिवार

अपने इष्ट मित्रों सहित कार्यक्रम में पधारें

निवेदक एवं आयोजक

संरक्षक हंसराज गंगवाल | अध्यक्ष गजराज गंगवाल | उपाध्यक्ष जे. के. जैन (कालाडेरा) अनिल जैन (पूजा वाले) | मंत्री प्रदीप निगोतिया | कोषाध्यक्ष एन के जैन | सयुक्त मंत्री संजीव कासलीवाल

कार्यकारिणी सदस्य : राजेश गंगवाल, राजेन्द्र सेठी वीरेन्द्र गोधा, अशोक झांझरी, पूनम ठोलिया, विकास पाटनी सुभाष अजमेरा, नीरज पाटोदिया, मंजू देवी सेठी, किरण जैन

68 वीं जिला स्तरीय खो खो प्रतियोगिता का शुभारंभ

करीब 100 स्कूल टीमें ले रही है प्रतियोगिता में भाग

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे के भादवा रोड़ स्थित एपीएस स्कूल एंड फाउंडेशन में 68 वीं जिला स्तरीय 14 वर्षीय खो खो प्रतियोगिता का रविवार को विधिवत उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजा और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। स्कूल के डायरेक्टर महेश शर्मा ने बताया कि स्कूल के विधार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में आये अतिथियों का स्कूल द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। प्रतियोगिता में जिले भर से करीब 100 स्कूल की टीमें हिस्सा ले रही हैं इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि भैंसलाना अनंत ऐचरा,कांग्रेसी नेता मदन ऐचरा,सिनोदिया सरपंच गिरधारी कुलहरी, अनंतपुरा सरपंच बाबूलाल फगोडिया,समाजसेवी पियुषकांत काला,एडवोकेट मदन कुलहरी,मानाराम ठोलिया,राजेश सुंदरियां, बृजमोहन शर्मा, कुलदीप मीणा, नेमीचंद शर्मा,कैलाश डूडी,अजय उज्जवल, बलराम जाखड़, अध्यापक प्रकाशचंद शर्मा,अशोक चौधरी,हरेंद्र चौधरी सहित अन्य मौजूद रहे।

आचार्य जयमलजी का जीवन तप, त्याग और साधना का अद्वितीय उदाहरण है: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

आचार्य जयमलजी महाराज की 317वीं जन्म जयंती

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। धर्म और नैतिकता के उच्च आदर्शों पर आधारित था। आचार्य जयमलजी महाराज संयमी जीवन। रविवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी म.सा.ओर उपप्रवर्तिनी कंचन कंवर जी के सान्निध्य में आचार्य जयमलजी महाराज की 317वीं जन्म जयंती पर गुणानुवाद धर्मसभा मे युवाचार्य प्रवर ने जयमल जी महाराज का स्मरण करते हुए कहा कि आज का यह पावन दिन विशिष्ट पर्व के रूप में बदल गया, जब इस दिन जन्मे एक बालक ने अपने जीवन में हर कदम पर इतिहास बनाया। ऐसा तेजस्वी बालक मारवाड़ में लाम्बिया के समदड़िया परिवार में जन्मा। उसका नाम जयमल रखा गया क्योंकि उसका मुखमंडल विशेष आभा लिए हुए था। अपनी उम्र में आगे बढ़ते हुए उनका विवाह लक्ष्मीदेवी के साथ हो गया। उन्होंने कहा आज विवाह के नाम पर हमने समस्याओं को जन्म दिया है। जो विवाह के बंधन में बंध चुके थे लेकिन लक्ष्मीदेवी पीहर में ही थी। जयमल को व्यापार में भी बहुत व्यवहारिकता थी। केवल पैसा लेना या देना ही व्यापार नहीं है लेकिन उन्होंने पूर्वजों के संस्कारों को मजबूती से निभाया।

उत्तम त्याग धर्म की हुई पूजा

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। दिगंबर जैन धर्मावलंबियों के चल रहे दस दिवसीय पर्युषण पर्व के तहत रविवार को आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म की पूजा की गई। जैन धर्मावलंबियों ने प्रातः कलशाभिषेक , शांतिधारा व दस लक्षण विधान पूजन के तहत उत्तम त्याग धर्म की अष्ट द्रव्यों से पूजा की। सायं मंदिर में महाआरती की गई एवं प्रश्नमंच का कार्यक्रम संपन्न हुआ। रविवार को रत्नत्रय व्रत प्रारंभ हुए।

आर के पुरम त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर में दस लक्षण मंडल विधान में श्रद्धालुगण झूम झूम कर कर रहे है पूजन भक्ति

जीवन में किसी से डरो या नही डरो परंतु अपने कर्मो से अवश्य डरना चाहिए: पंडित राजेश शास्त्री

कोटा. शाबाश इंडिया। आर के पुरम स्थित श्री 1008 मुनिसुव्रत नाथ दिगंबर जैन त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर मेंआर के पुरम त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर में दस लक्षण मंडल विधान में श्रद्धालुगण झूम झूम कर कर श्रद्धा भक्ति और समर्पण के साथ पूजन कर रहे है। मंदिर समिति के अध्यक्ष अंकित जैन महामंत्री अनुज गोधा कोषाध्यक्ष ज्ञान चंद जैन ने बताया कि प्रात काल अभिषेक शांति धारा के बाद दस लक्षण महा मंडल विधान पूजन इंदौर से पधारे पंडित प्रवर राजेश शाह शास्त्री के निर्देशन में और संगीत कार बूंदी से आए आयुष जैन एंड पार्टी की सुमधुर धुनों पर इंद्र इंद्राणीया प्रभु भक्ति डूब रहे है । मंदिर समिति के प्रचार प्रसार मंत्री पारस जैन पार्श्वमणि एवम कार्याध्यक्ष प्रकाश जैन ने बताया कि सायकल भगवान की महा आरती संगीत के साथ खूब नृत्य करते हुवे की जाती है। उसके बाद पंडित प्रवर राजेश शाह शास्त्री ने उत्तम त्याग धर्म पर मंगल प्रवचन देते हुवे बताया कि जीवन में जो जितना छोड़ता है वो उतना उपर उठता है।दान के चार प्रकार का दिया जाता है। जीवन में किसी से डरो या नही डरो परंतु अपने कर्मो से अवश्य डरना चाहिए। हर कोई माफ कर सकता है परंतु कर्म कभी माफ नहीं करता वो तो इंसाफ करता है। जीवन में कुछ साथ नही जाता बस आपके अच्छे बुरे कर्म ही आपके साथ जायेंगे। यही प्रकृति का नियम है । इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज के महामंत्री विनोद जैन टोरडी रूप चंद जैन, महावीर जैन प्रकाश जैन, लोकेश जैन,पदम जैन, रोहित जैन,अशोक जैन,प्रेमचंद सोगानी, विमल जैन, दीपक जैन पंकज जैन अरुण जैन हेमन्त डूंगरवाल आदि सहित सैकडो श्रद्धालुओं की उपस्थिति थे।

त्याग, तप के द्वारा ही जीवन महान बनता है...

आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज 26 तपस्वी की हो रही है 10 उपवास की तप आराधना

झालरापाटन. शाबाश इंडिया

तपोभूमि प्रणेता व पर्यावरण संरक्षक आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा कि त्याग, तप के द्वारा ही जीवन महान बनता है। शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में शनिवार शाम को 10 लक्षण पर्व के तहत उपवास कर रहे 26 तपस्वीयों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सोने को तपाने से जेवर बनते हैं उसी प्रकार तप करने से आत्मा का कल्याण होता है। बिना तप त्याग के लौकिक क्षेत्र में भी सफलता नहीं मिलती। जब लौकिक क्षेत्र में तप, त्याग का उतना महत्व है तो फिर मोक्ष मार्ग में बिना तप, त्याग के कैसे सफलता मिलेगी। इसलिए आज जीवन में यथाशक्ति तप, त्याग की साधना अवश्य करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिनके जीवन में तप, ज्ञान, विद्या और संयम नहीं है उसका जीवन पशु के समान है। हमारे जीवन में संस्कारों का बहुत महत्व है। जैसे हमारे संस्कार होते हैं वैसे ही हमारा जीवन बनता है। उन्होंने कहा कि संगति अच्छी करो तो गुण आते हैं और संगति गलत करो तो जीवन बिगड़ जाता है। इसलिए अपने जीवन मेंअच्छे लोगों की संगति करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने 10 लक्षण पर्व के दौरान 10 उपवास कर रही 26 तपस्विनियों व 16 उपवास कर रही तपस्विनी श्वेता कासलीवाल को जल पिलाया। कार्यक्रम का संचालन यशोवर्धन बाकलीवाल ने किया।

नलिन जैन लुहाड़िया से प्राप्त जानकारी
संकलन अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

जो तुम्हारा था नहीं, है नहीं, भविष्य में होगा नहीं, बस आज उसका त्याग कर दो: निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

सागर. शाबाश इंडिया

धर्म समझाया नहीं जाता, समझा जाता है लेकर संसार में व्यक्ति समझना नहीं चाहता, समझने की चेष्टा भी नहीं करना चाहता और समझाए कोई तो मानना नही चाहता। परिणाम स्वरूप समझाने वालों को पैदा करना पड़ता है और समझाने के अनेक तरीके अपनाना पड़ता है। जो समझने का एक इच्छुक है उसे किसी की भी जरूरत नहीं, समझने के लिए- 'मुझे कुछ मत समझाओं, मुझे तो आदेश दो, करना क्या है? जो समझने की अपेक्षा करने पर विश्वास करता है उससे बड़ा समझदार दुनिया में कोई हो ही नहीं सकता। धर्म इतना सा ही है-आज्ञा, मुझे आज्ञा मनाना है। यह दशा जब जाग जाती है तब उसे धर्म की सिद्धि हो जाती है। णमोकार मंत्र इसलिए महामंत्र है क्योंकि इसमें भगवान पहले नहीं आया है, इसमे नमस्कार पहले आया है। आज तक दुनिया का कोई मंत्र नहीं बना जिसमें नमः शब्द पहले आया हो। नमस्कार पहले आना ही इसकी सबसे बड़ी महानता है, सारे मंत्र इसमे समा गए है। मुझे जहाँ भगवान है वहाँ नमस्कार नहीं करना, जहाँ नमस्कार होगा, वहाँ मेरे भगवान होंगे। भगवान पर भरोसा करने की अपेक्षा अपने नमोस्तु पर विश्वास करो, हमें गुरु खोजने की जरूरत नहीं है, अपने शिष्यत्व पर विश्वास करो। जो तुम्हारा था नहीं, जो तुम्हारा है नहीं, जो तुम्हारा होगा नहीं आज उसका त्याग कर दो। 90% लोग जितने कर्म बंध करते हैं उन वस्तु से करते है- जो न तुम्हारी थी, न है और न रहेगी। आप स्वयं देखना 24 घंटे में आपका परिणाम किन-किन चीजों पर बिगड़ा है? जिसको मार नहीं पाए, मार नहीं पाओगे, मार नहीं रहे हो, कम से कम ऐसी हिंसा का त्याग कर दो, निष्प्रयोजन हिंसा है यह, लेना एक न देना दो। तुम पड़ोसी की हवेली देखकर कषाय कर रहे हो, तुम्हारी थी नहीं, है नहीं, होगी भी नहीं। मैं वह कल्पना की उड़ाने नहीं भरूँगा, जो जिंदगी में होना ही नहीं है, जो जिंदगी में मिलना ही नहीं है, जो मेरी थी नहीं, है नहीं, रहेगी नहीं। 75% पाप से बच जाओगे बस ऐसे विचारों का त्याग कर दो जो न तुम्हारे थे, न है और न रहेंगे। जब भी तुम्हारे मन में विकल्प आवे तुरंत सोचना- क्या यह मेरी वस्तु है, क्या यह मेरी थी, क्या कल मेरी होगी, यदि तीनों के जबाब न में आये तो आज उत्तम त्याग के दिन नियम ले लो हम ऐसी वस्तुओं के प्रति सम्पूर्ण त्याग करते है, ऐसी वस्तु को कभी ग्रहण करने का भाव नहीं करेंगे। दूसरे नम्बर का वह त्याग करना जो तुम्हारी दृष्टि में अहितकारी हो। तीसरे नम्बर पर जो तुम्हारे अपने हो, जिनको तुम सगा मानते हो, तुम्हारे हितैषी है, वो जिस चीज की मना करे, उसका त्याग कर देना। चौथे नम्बर पर यदि तुम धर्मात्मा हो तो जिनेंद्रदेव, गुरु, जिनवाणी जिस चीज की मना करे उसका त्याग कर देना क्योंकि मैं जिनेंद्र भक्त हूँ। भक्ति का अर्थ है जो मेरे भगवान, गुरु और जिनवाणी को पसंद नहीं, वह मुझे पसंद नहीं। विचार से भिन्न व्यक्ति से कभी सम्बंध मत जोड़ना इसलिए कुंडली मिलाई जाती थी कि अनजाने दो व्यक्ति हैं, पता नहीं कैसा मिल जाए तो कुंडली के माध्यम से कहते हैं दोनों का विचार एक रहेगा क्या? तो सही व्यक्ति वही है जो मेरे गुरु को पसंद नहीं, वह मैं मुझे पसंद नहीं। बस अपने भगवान की नपसन्द चीजों को छोड़ देने का नाम ही जिनेंद्र भक्त का त्याग धर्म है। जिसको पुनः ग्रहण न करना पड़े उसका नाम त्याग है। त्याग का गृहस्थों की अपेक्षा दूसरा नाम दान है

अजय जैन लांबरदार से प्राप्त जानकारी
संकलन अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

चित्रकूट कॉलोनी जैन मंदिर में उत्तम त्याग की पुजा

जयपुर. शाबाश इंडिया

चित्रकूट कॉलोनी जैन मंदिर में दसलक्षण पर्व के तहत आज त्याग धर्म मनाया गया। समिति मंत्री अनिल काशीपुरा ने बताया कि मंदिर में नित्य अभिषेक शांति धारा के साथ पूजा विधान किया हुआ। आज विशेष रूप से बच्चों को अभिषेक वि शांति धारा करवाई गई जिससे उनके धार्मिक संस्कार पल्लवित हो सके। शाम को महा आरती के साथ नव युवक मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गये।

एक शाम श्री 1008 आदिनाथ भगवान के नाम भजन संध्या आज 16 को

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन बीस पंथी नागौरी आमनाय पंचायत छोटा धड़ा की नसिया जी जहा अतिशयकारी एवम चतुर्थकालीन 1008 श्री आदिनाथ भगवान का दरबार है में आज सोमवार, दिनांक 16 सितंबर 2024 को सांयकाल आरती के पश्चात श्री दिगंबर जैन संगीत मंडल अजमेर के तत्वावधान में एक विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमे जैन भजन सम्राट प्रोफेसर सुशील पाटनी शील, संजय पहाड़िया, सुभाष पाटनी, विमल गंगवाल,अंकित पाटनी, सुशील दोषी, लोकेश ढीलवारी, नरेश गंगवाल, निर्मल गंगवाल विरेंद्र जैन, धनकुमार लुहाड़िया, श्रेयांस पाटनी आदि की टीम द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम आयोजक एवम पुण्यार्जक परिवार के अतुल पाटनी एवम मधु पाटनी ने बताया कि दसलक्षण पर्व के पावन अवसर पर विगत द्वादश वर्षों से श्रीजी के सम्मुख एवम भक्तिगान से भरपूर भजनों का कार्यक्रम किया जा रहा है जिसमे बाबा के भक्त भाव विभोर होकर भक्ति नृत्य करते है श्रेष्ठ भक्ति करने वाले व्यक्तियों को पाटनी परिवार द्वारा सम्मानित करते हुए पुरस्कृत किया जाता है। इस कार्यक्रम में श्री छोटा धड़ा पंचायत के पदाधिकारी एवम सदस्यगण,श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर की सदस्याए,श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर सदस्य के अलावा सम्पूर्ण जैन समाज के धर्मावलंबी भाग लेंगे।

दशलक्षण धर्म महापर्व में युवाओं ने की वृहद शांतिधारा

विश्व शांति की कामना के लिए देश में खुशहाली की कामना की

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में प्रथम बार दशलक्षण धर्म के तहत उत्तम त्याग धर्म पर दर्जनों युवाओं ने भगवान आदिनाथ का अभिषेक करके शांतिधारा का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दशलक्षण धर्म की विशेष पूजा अर्चना की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि दशलक्षण धर्म के पावन पर्व पर अनेक युवाओं ने रविवार को सुबह भगवान आदिनाथ के विशेष अभिषेक किए एवं विश्व में शांति की कामना के लिए वृहद शांतिधारा की। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए उन्होंने बताया कि दशलक्षण धर्म के समापन पर बड़ा जैन मंदिर में अनन्त चतुर्दशी के दिन सामुहिक कलशाभिषेक का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर अतुल ठोलिया जय कुमार जैन रिंकु जगतपुरा चेतन चंवरिया निर्मल सुनारा नितेश भाणजा अशोक ठोलिया यश गिन्दोडी नवीन खण्डवा निशु भाणजा जितेश गिन्दोडी ऋषभ पराणा अशोक बिलाला विक्की पाटनी नीरज रजवास महावीर खण्डवा प्रियंका खण्डवा ममता ठोलिया सुनीता जगतपुरा श्वेता चंवरिया अंजना ठोलिया कानता ठोलिया सुमन भाणजा रविता ठोलिया अनुप्रिया सोगानी चम्पा ठोलिया पूर्णिमा गंगवाल प्रमिला छाबड़ा श्वेता झांझरी सहित कई महिलाएं एवं पुरुष मौजूद थे।

परवरिश : क्या, क्यों और कैसे?

तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ

अजमेर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति के सहयोग से विद्यासागर तपोवन आँतेड जैन छतरी मंदिर , वैशाली नगर में आज के दौर में बच्चों की सही परवरिश से सबन्धित प्रश्नों पर तीन दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला का आयोजन अतिरिक्त जिला न्यायधीश ज्योति काकवानी जी के नेतृत्व में हुआ। इसमें प्रमुख वक्ता ऋषिकेश उत्तराखण्ड से आये शिक्षा शास्त्री श्री राज कार्यशाला में बच्चों से संबन्धित समस्याओं तथा समाधान पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बच्चों को डर, लालच या आस्था से नियन्त्रित करने की जगह शिक्षा के मानवीकरण व स्वस्थ संवाद पर बल दिया। बच्चों के विकास में माता पिता, परिवार और शिक्षण संस्थाओं की महत्ता को बताया। इस कार्यशाला में अजमेर, जैसलमेर, गुजरात और बीकानेर से आये अभिभावकों ने भाग लिया। महासमिति की अध्यक्ष रूपश्री जैन ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य माता-पिता के सामने आने वाली सबसे गंभीर चुनोतियों पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है। ज्योति ने बताया कि यह कार्यशाला हमारी तरफ से बेहतर धरती के सपने के लिए हमारी कृतज्ञता ज्ञापन है और इसके लिये शुल्क आपकी प्रतिबद्धता है। महासमिति की कोषाध्यक्ष सुनीता जैन ने बताया कि सभी ने अपने बच्चों के पालन पोषण में आ रही समस्याओं और इसे बेहतर बनाने के सबन्ध में अपने अनुभव साझा किये।

राजस्थान जैन सभा के सामूहिक क्षमापन पर्व के पोस्टर का लोकार्पण हुआ

समारोह में होगा त्यागीव्रतियों का सम्मान, जयपुर में विराजमान मुनिराजों को श्रीफल भेंट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन सभा द्वारा सकल दिगम्बर जैन समाज का सामूहिक क्षमापन पर्व 22 सितम्बर, 2024 को महावीर स्कूल प्रांगण में प्रातः 9.00 बजे से 12 बजे तक मनाया जायेगा। जिसका पोस्टर का लोकार्पण आज प्रातः युवा समाज गौरव बापू नगर निवासी आलोक जैन द्वारा किया गया। अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि इस अवसर पर जयपुर में चातुर्मास कर रहे आचार्य श्री शांशाक सागर जी महाराज, उपाध्याय श्री ऊर्जयन्तसागर जी महाराज, उपाध्याय श्री वृषभानन्द जी महाराज, मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज, मुनिश्री पावन सागर जी महाराज, मुनिश्री समत्वसागर जी महाराज, मुनिश्री अर्चितसागर जी महाराज, मुनिश्री सुभद्रसागर जी महाराज, मुनिश्री शीलसागर जी महाराज ससंघ को दर्शन जैन, विनोद जैन कोटखावदा, राकेश छाबड़ा एवं प्रदीप जैन लाला, अशोक पाटनी , सुभाष बज ने श्रीफल भेंट कर समारोह में पधारने हेतु निवेदन किया। इस अवसर पर जयपुर में भाद्रपद मास में एक माह, 16 दिन सोलहकारण जी के एवं दशलक्षण 10 दिन के उपवास करने वाले लगभग 70 से अधिक त्यागीवृत्ति तपस्वियों के तप की अनुमोदन हेतु अभिनन्दन किया जावेगा। समारोह में मुख्यमंत्री एवं उपमुख्य को भी आंमत्रित किया गया है। इस हेतु यशकमल अजमेरा, सुभाष बज एवं अनिल छाबड़ा को प्रभारी बनाया गया है। समारोह हेतु मुख्य समन्वयक दर्शन जैन, समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा, मुख्य संयोजक प्रदीप जैन लाला को बनाया गया है।

दशलक्षण महापर्व का आठवां दिन

मुनि श्री ससंघ के सानिध्य में आयोजित स्व धर्म साधना शिविर में श्रद्धालुओं ने मनाया उत्तम त्याग धर्म

सोमवार को मनएंगे उत्तम आकिंचन्य धर्म

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर के मीरामार्ग स्थित आदिनाथ भवन में चातुर्मास कर रहे अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गौखले मार्ग स्थित सामुदायिक केन्द्र सेक्टर 9 में रविवार को दशलक्षण महापर्व का उत्तम त्याग धर्म मनाया गया। इस मौके पर मुनि श्री के सानिध्य में चल रहे 10 दिवसीय स्वधर्म शिविर के आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म की पूजा की गई। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि इससे पूर्व दस दिवसीय स्व धर्म शिविर प्रातः 5.30 बजे से 7.00 बजे तक उत्तम त्याग धर्म पर अर्हं योग एवं ध्यान करवाया गया। शिविर में प्रातः 5.00 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक आत्म साधना के साथ पूजा भक्ति के विशेष आयोजन किये गये। संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन के अनुसार शिविर में तत्वार्थ सूत्र का विधान प्रारंभ हुआ। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में तत्वार्थ सूत्र के बन्ध तत्व पर आधारित आठवें अध्याय के 26 सूत्रों का मर्म समझाते हुए कहा कि बन्ध का प्रमुख कारण मिथ्या दर्शन, अविरति, प्रमाद, कषाय व योग है। इनमें कषाय का कारण प्रमुख हैं। इसमें 8 कर्मो के बारे में संक्षिप्त में बताया। नाम कर्म की 42 प्रकृत्तियो के बारे में बताते हुए कहा कि गति-जाति एवं शरीर के निर्माण, संधाव एवं इसकी समस्त रचना में नाम कर्म के कारण है।

फोटो: कुमकुम फोटो
साकेत, 9829054966

इस मौके पर 1500 से अधिक शिविरार्थियों ने सभी सूत्रों के अर्घ्य समर्पित किये। इससे पूर्व शकुंतला, शांति लाल, देवेन्द्र, निखिल, तुषार छाबड़ा हीरापथ परिवार द्वारा धर्म सभा का दीप प्रज्जवलन व मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट किया गया इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल, महामंत्री मनीष बैद, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, प्रदीप जैन, अशोक पाटनी, सुभाष बज महेश काला आदि ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। तथा सामूहिक क्षमापना समारोह में सानिध्य प्रदान करने के लिए निवेदन किया। इस मौके पर अर्हम ध्यान योग के परम संरक्षक, संरक्षक, व सदस्य बन कर अपनी चंचला लक्ष्मी का त्याग कर इस मुहीम में शामिल हुए। साथ ही श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति मीरा मार्ग के तत्वावधान में चल रहे " औषधालय " में भी श्रद्धालुओं ने खुले हाथों से दान कर पुण्य अर्जन किया। सायंकाल प्रश्न मंच, आरती, प्रतिक्रमण पाठ के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये । इस मौके पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन राजभवन वाले, संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी, अरुण श्रीमाल, एडवोकेट राजेश काला, अशोक गोधा, अशोक छाबड़ा, विजय झांझरी आदि ने सहभागिता निभाई। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि सोमवार 16 सितम्बर को मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व के दौरान उत्तम आकिंचन्य धर्म मनाया जाएगा इस मौके पर प्रातः 5.30 बजे से 7.00 बजे तक अर्हं योग ध्यान, 7 बजे से श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, तत्वार्थ सूत्र विधान होगा। प्रातः 9.00 बजे मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें दोपहर में 1.30 बजे से धर्म की कक्षा, तत्वार्थ सूत्र प्रवचन, दशम धर्म कक्षा, सायंकाल 6.00 बजे से प्रश्न मंच, आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम होगें।

दशलक्षण महापर्व का आठवां दिन

वीतराग धर्म का उत्तम त्याग लक्षण मनाया

सोमवार को वीतराग धर्म का उत्तम आकिंचन्य लक्षण मनाएंगे

तीन दिवसीय कर्म निर्झर तेला एवं रत्नत्रय व्रत व तेला हुआ शुरू दशलक्षण महापर्व का समापन मंगलवार को

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के चल रहे दशलक्षण महापर्व में आठवें दिन रविवार को वीतराग धर्म का उत्तम त्याग लक्षण भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठे। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद् के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा के बाद दशलक्षण धर्म में उत्तम त्याग लक्षण की विधान मंडल पर अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर संतों एवं विद्वानों ने उत्तम त्याग लक्षण पर प्रवचन देते हुए त्याग व दान की महिमा बताई गई। " दान चार परकार, चार संघ को दीजिए। धन बिजुली उनहार, नर भव लाहो लीजिए।। उत्तम त्याग कहो जग सारा, औषध शास्त्र अभय आहारा। निहचै राग द्वेष निरवारै, ज्ञाता दोनों दान संभारै।। " अर्थात निज शुद्धात्म के ग्रहणपूर्वक बाह्य और अभ्यन्तर परिग्रह से निवृत्ति त्याग है। त्याग धर्म है और दान पुण्य। अतः दान और त्याग में अंतर है। सारे संसार में औषध, शास्त्र, सुरक्षा एवं आहार दान को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। दान में परोपकार का भाव मुख्य रहता है और त्याग में आत्म हित का श्री जैन के मुताबिक सायंकाल महाआरती, भक्ति संध्या, सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन हुए। श्री जैन के मुताबिक रविवार से तीन दिवसीय कर्म निर्झरा तेला एवं तिथि क्षय के कारण रत्नत्रय व्रत एवं तेला शुरू हुआ जो मंगलवार तक चलेगा। इसमें तीन दिन तक निराहार रहकर उपवास किया जाएगा। श्री जैन के मुताबिक आचार्यो का स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिरमोरियान में विनोद जैन कोटखावदा, सुरेन्द्र कासलीवाल, नीरज कासलीवाल के नेतृत्व में प्रातः भगवान के अभिषेक एवं विश्व में सुख समृद्धि और शांति की मंगल कामना करते हुए शांतिधारा की गई। श्योपुर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में सायंकाल 'यमराज का निमंत्रण ' नाटक का मंचन किया गया। जिसमें डिम्पल पाटनी, माधुरी बोहरा, दिव्या बाकलीवाल, अमिता साह, मिनाक्षी, जूली, श्वेता, रिंकू, सोनम जैन ने मुख्य भूमिका निभाई। सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः दशलक्षण पूजा तथा सायंकाल स्थानीय समाज की महिलाओं द्वारा धार्मिक एवं सामाजिक विषयों पर लघु नाटिकाओं की भव्य प्रस्तुति दी गई। मालवीय नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में दशलक्षण पूजा की गई। इससे पहले श्री जी के अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। महेन्द्र साह आबूजीवाले, सतीश काला, संजय साह, ध्रुव साह सहित कई श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। श्री जैन के मुताबिक आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरि,शांतिनाथ जी की खोह, संघीजी मंदिर सांगानेर आदि मंदिरों में दशलक्षण महापर्व पर विशेष आयोजन किए गए। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद् के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' के मुताबिक सोमवार 16 सितम्बर को वीतराग धर्म का उत्तम आकिंचन्य लक्षण मनाया जावेगा। प्रातः मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा के बाद दशलक्षण धर्म की पूजा की जावेगी। संतों एवं विद्वानों के प्रवचन होगे। श्री जैन के मुताबिक दशलक्षण महापर्व का समापन मंगलवार 17 सितम्बर को होगा । मंगलवार 17 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी एवं दशलक्षण समापन कलश होंगे। श्री जैन के मुताबिक बुधवार 18 सितम्बर को षोडशकारण समापन कलश एवं पड़वा ढोक क्षमा वाणी पर्व मनाया जावेगा।इस मौके जैन बन्धु खोपरा मिश्री खिलाकर गत वर्ष की गलतियों के लिए आपस में क्षमा मांगेंगे। मंदिरों के बाहर मेले जैसा माहौल रहेगा।

दिगंबर जैन मंदिर जनता कॉलोनी में फैंसी ड्रेस प्रतियोगी का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन मंदिर जनता कॉलोनी में फैंसी ड्रेस और जनता कॉलोनी जंक्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक प्रीति ने बताया कि लगभग 20 बच्चों ने इसमें भाग लिया, सबसे छोटी 3 साल की बिटिया ने भी अपना शानदार परफॉर्मेंस दिया। विनोद जैन ने बताया कि फैंसी ड्रेस में रिवान जैन निहार ,एरिका, माहेशा, और मुद्रा रवंका राहेशा,,शानवी अजमेरा, विवान जैन व निहार जैन ने शानदार जर्नलिस्ट का, शानदार अभिनय किया और उसने महिला मंडल की प्रथम महिला दीप्ति जैन से क्वेश्चन पूछा आपकी स्थापना किस सन में हुई, वह अभी कितनी महिलाएं जैन युवा महिला फेडरेशन में है, जैन सभा के मेंबर सुधीर गंगवाल से भी, पब्लिक डिमांड पर हर वर्ष की भाती जनता कॉलोनी में झांकी क्यों नहीं लगी इसके बारे में क्वेश्चन किया गया, जिसका उन्होंने संतोषजनक जवाब दिया। शानदार जर्नलिस्ट का रोल निभाने पर रिवन व निहार जैन को सभी ने बहुत सरहाया और करताल धवनी से उनका स्वागत किया।